राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 64
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 02 फरवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा में 11 बाइक के साथ दो गिरफ्तार
पेज 4 झांसी में वेंडर की हत्या, गोली सिर के आर-पार
पेज 6 ईशान को अंतिम टी20 में विकेटकीपर बनाने का कारण सूर्यकुमार

बजट 2026 : रक्षा पर बड़ा जोर, टैक्स में राहत नहीं

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बजट में डिफेंस बजट 15% बढ़ा, कैंसर की 17 दवाएं ड्यूटी-फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर और 3 आयुर्वेदिक एम्स का ऐलान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किया। करीब 85 मिनट के भाषण में सरकार ने साफ किया कि यह बजट चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बजाय राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित है।

बजट में इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया, लेकिन टैक्स प्रक्रिया को आसान बनाने और कुछ अप्रत्यक्ष करों में राहत देने की घोषणाएं की गईं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पेश हुए इस पहले बजट में रक्षा क्षेत्र को अब तक की सबसे बड़ी प्राथमिकता दी गई है।

रक्षा बजट: 15% की ऐतिहासिक बढ़ोतरी...

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले वैश्विक हालात और सुरक्षा चुनौतियों का हवाला देते हुए वित्त मंत्री ने रक्षा बजट में 15.2% की बढ़ोतरी की। कुल रक्षा बजट अब 7.85 लाख करोड़ हो गया है, जो पिछले वर्ष 6.81 लाख करोड़ था। इसमें से हथियारों की खरीद और सेना के आधुनिकीकरण पर 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे, जो पिछले साल के मुकाबले 22% अधिक है।

विमान और एयरो-इंजन विकास के लिए 64 हजार करोड़, नौसेना के बेड़े के विस्तार के लिए 25 हजार करोड़ और सैन्य पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है।

इनकम टैक्स: स्लैब जस का तस, प्रक्रिया आसान...

बजट में मिडिल क्लास को इनकम टैक्स दरों में कोई सीधी राहत नहीं मिली। हालांकि सरकार ने टैक्स फाइलिंग को सरल बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून लाने का ऐलान किया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा।

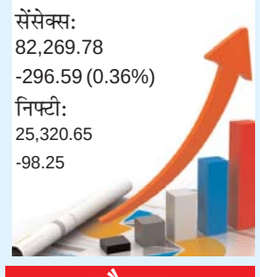

अब करदाता मामूली शुल्क देकर 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। फॉर्म को सरल और डिजिटल-फ्रेंडली बनाया गया है ताकि आम लोग खुद रिटर्न भर सकें।

स्वास्थ्य: कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी राहत देते हुए सरकार ने कैंसर की 17 जीवनरक्षक दवाओं पर लगने वाली 5% कस्टम ड्यूटी पूरी तरह हटा दी है।

इसके अलावा हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएं भी ड्यूटी-फ्री कर दी गई हैं।

सरकार ने मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 5 रीजनल मेडिकल हब और 3 आयुर्वेदिक एम्स खोलने की घोषणा की है।

रेल और इंफ्रास्ट्रक्चर: हाईस्पीड कनेक्टिविटी पर जोर...

देश में कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए 7 नए हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इनमें दिल्ली-वाराणसी, मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और वाराणसी-सिलीगुड़ी जैसे रूट शामिल हैं।

टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान किया गया है।

सस्ता-महंगा: बजट का असर...

EV बैटरी, सोलर पैनल, माइक्रोवेव ओवन और एयरक्राफ्ट पार्ट्स सस्ते हो सकते हैं, जबकि शराब और शेयर बाजार में ट्रेडिंग महंगी पड़ सकती है।

महिलाएं, शिक्षा और सामाजिक सेक्टर

सरकार ने हर जिले में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने, महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए स॥श्व-मार्ट और स्कूल-कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स शुरू करने की घोषणा की।

हैंडलूम: नेशनल फाइबर स्कीम, खादी को प्रोत्साहन...

नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद देने की तैयारी है। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। मैन मेड फाइबर का उत्पादन बढ़ेगा। एडवांस्ड फाइबर के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन का सिस्टम तैयार किया जाएगा। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज मिशन के तहत खादी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन, ट्रेनिंग और मार्केटिंग पर जोर होगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।

विदेश में पढ़ाई-इलाज...

2026-27 में विदेश पैसा भेजने (LRS) पर लगने वाले TCS (टैक्स कलेक्टेड एड सोर्स) को कम करने का ऐलान किया है। अब विदेश में पढ़ाई या इलाज के लिए साल में 10 लाख रुपए से ज्यादा भेजे तो TCS 5% से घटाकर 2% कर दिया गया है।

राजकोषीय स्थिति और घाटा...

सरकार ने 2026-27 में राजकोषीय घाटा GDP के 4.3% तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। 2030-31 तक कुल सरकारी कर्ज ल्ष्ठक्क के 50% के आसपास लाने की योजना है।

निष्कर्ष...

बजट 2026-27 में सरकार ने राष्ट्र की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर खुलकर खर्च किया, लेकिन टैक्स फ्रंट पर आम आदमी को सीधी राहत नहीं दी। यह बजट चुनावी नहीं, रणनीतिक और लॉन्ग-टर्म विजन वाला माना जा रहा है।

बजट 2026-27 की 10 सबसे बड़ी घोषणाएं

- रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़
- हथियार खरीदी व आधुनिकीकरण पर खर्च 22% बढ़ा
- कैंसर की 17 दवाएं और 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएं ड्यूटी-फ्री
- 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा
- 3 आयुर्वेदिक AIIMS और 5 मेडिकल टूरिज्म हब
- इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं
- रिवाइज्ड ITR की तारीख 31 दिसंबर से 31 मार्च
- विदेश पैसे भेजने पर TCS 5% से घटाकर 2%
- हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल
- EV और सोलर सेक्टर को टैक्स में राहत

टैक्स से जुड़े अहम बदलाव

- पढ़ाई और इलाज के लिए विदेश पैसे भेजने पर TCS 2%
- विदेशी टूर पैकेज पर भी TCS घटाकर 2%
- फ्यूचर ट्रेडिंग पर STT 0.02% से 0.05%
- ऑप्शंस ट्रेडिंग पर STT 0.15%
- सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए SGB पर टैक्स छूट खत्म

क्या सस्ता, क्या महंगा

सस्ता होगा
- कैंसर की दवाएं
- EV बैटरी और सोलर पैनल
- माइक्रोवेव ओवन
- विदेश टूर पैकेज
- एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस

महंगा होगा
- शराब
- फ्यूचर-ऑप्शंस ट्रेडिंग

बजट 2026 : चुनाव वाले राज्यों को क्या मिला

- वाराणसी-सिलीगुड़ी, हैदराबाद-बेंगलुरु, चेन्नई-हैदराबाद के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेगा। इससे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु को फायदा होगा।
- केरल और तमिलनाडु में डेडिकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर बनेगा। इस साल दोनों राज्यों में विधानसभा सभा चुनाव हैं।
- नारियल संवर्धन योजना का ऐलान किया गया है, जिससे तमिलनाडु और केरल के किसानों को फायदा होगा।
- मत्स्य पालन योजना का ऐलान हुआ है। इससे समुद्री किनारे वाले राज्यों को फायदा है।

संक्षिप्त खबरें

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत उनकी हिरासत के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने वाला है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ द्वारा किए जाने की संभावना है। 29 जनवरी को, जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद वांगचुक ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने अरब स्प्रिंग की तरह सरकार को उखाड़ फेंकने का बयान दिया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आलोचना और विरोध करने का उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।

स्किल डेवलपमेंट घोटाले में चंद्रबाबू नायडू की कोई भूमिका नहीं

नई दिल्ली। ईडी ने आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम के सिमेन्स प्रोजेक्ट मामले में एक नई चार्जशीट दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि कुछ आरोपितों ने सरकारी धन की हेराफेरी की, लेकिन, घोटाले की रकम की मनी लांड्रिंग करने में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की कोई भूमिका नहीं पाई गई। चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी केंद्र में मोदी सरकार-नेतृत्व वाली राजग की एक सहयोगी पार्टी है। वाइएसआरसीपी के नेतृत्व वाली पिछली आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने सितंबर, 2023 में इस मामले में चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार किया था।

हैप्पी मॉर्निंग

मोटू- भाई कल सर्कस देखने चलेंगे पतलू- अपनी बीवी को भी लाऊंगा मोटू- शेर के पिंजरे में अगर तेरी वाइफ और साली दोनों गिर गयी तो तू किसको बचाएगा पतलू- मोटू मैं तो शेर को बचाऊंगा, आखिर दुनिया में अब शेर बचे ही कितने हैं।

शायरी

ले दे के अपने पास फ़क़त इक नज़र तो है
क्यूँ देखें ज़िंदगी को किसी की नज़र से हम

अर्थसार

सेंसेक्स:
82,269.78
-296.59 (0.36%)
निफ्टी:
25,320.65
-98.25

मौसम

अधिकतम : 21 डिग्री से0
न्यूनतम : 10 डिग्री से0
सूर्योदय मंगलवार : 7 : 16
सूर्यास्त सोमवार : 6 : 03

बजट 2026 : अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए डिजाइन होंगे 50 शहर

भारत को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन, ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाने की तैयारी; टियर 2-3 सिटीज का फॉरेक्स रिजर्व बढ़ेगा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्र सरकार का साल 2026-27 के लिए बजट पेश किया। बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं हुई।

वित्त मंत्री की घोषणा के मुताबिक देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाएगा। इसका मकसद भारत को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन और ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाना है।

इस प्लान की मदद से एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हो जाएगा, जिससे टियर 2-3 शहरों और गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इससे देश का फॉरेक्स रिजर्व भी बढ़ेगा, साथ ही सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2,438.40 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 10 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आएं। 2034 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान43.25 लाख करोड़ रुपए तक हो सकता है। 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार देने में सक्षम होगा। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म स्टैटिक्स रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल करीब 1 करोड़ विदेशी पर्यटक आते हैं। इनमें से 6-7 प्रतिशत बौद्ध पर्यटक होते हैं। पिछले साल 7.10 लाख बौद्ध पर्यटक भारत आए। पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए इस बार 6,812 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। यह राशि पिछले बजट से 20 प्रतिशत ज्यादा है।

अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट का विकास किया जाएगा।

मंदिरों के शहरों पर फोकस

मंदिरों के शहर के तौर पर पहचाने जाने वाले शहरों में बुनियादी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की जरूरतों के अनुसार विकसित की जाएंगी। इसमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा, जम्मू-कश्मीर का जम्मू, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे शहरों पर फोकस रहेगा। दक्षिण में तमिलनाडु के मदुरै और कांचीपुरम, कर्नाटक का हम्पी, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, ओडिशा का भुवनेश्वर और पुरी को विकसित किया जाएगा।

चांदी दो दिन में 1.36 लाख सस्ती, 2.65 लाख आई

सोना 31 हजार सस्ता होकर 1.38 लाख हुआ, प्रॉफिट बुकिंग से गिरे दाम

नई दिल्ली। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दूसरे दिन गिरावट है। आज यानी 1 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 25 हजार रुपए (9 प्रतिशत) गिर गई।

1 किलो चांदी का भाव 2.65 लाख रुपए पर आ गया। सोने में भी करीब 12 हजार रुपए (8 प्रतिशत) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.38 लाख रुपए पर आ गया है।

दो दिन में सोना 31 हजार और चांदी 1.36 लाख सस्ती

वायादा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम में दो दिन में 31 हजार रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपए पर पहुंच गया था, जो आज 1.38 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

चांदी की कीमत में 1.36 लाख रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.65 लाख रुपए पर ट्रेड कर रही है।

सोना और चांदी की कीमतों में एमसीएक्स पर आई इस गिरावट का सीधा असर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) पर भी पड़ा। गोल्ड ईटीएफ और रविवार को शुरुआती ट्रेडिंग में ही 8 प्रतिशत तक गिर गए। वहीं, सिल्वर ईटीएफ में 15 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

बजट सत्र का चौथा दिन

- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा; विपक्ष के बजट और एपस्टीन मुद्दे पर हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का सोमवार को चौथा दिन है। संसद में आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं कल रविवार को संसद में आम बजट 2026-27 पेश किया गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 85 मिनट के बजट भाषण में आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और 3 नए आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं।

इसके अलावा विपक्ष के आम बजट और एपस्टीन से जुड़े मुद्दे पर संसद में हंगामा करने के आसार हैं।

दरअसल कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 31 जनवरी को दावा किया था कि पीएम मोदी ने मानव तस्करी, नाबालिगों के यौन शोषण और बलात्कार के दोषी जेफ्री एपस्टीन की सलाह मानी।

अमेरिका के राष्ट्रपति को फायदा पहुंचाने के लिए इजराइल में नाच-गाना किया। इससे कुछ हफ्ते पहले उनकी मुलाकात हुई थी।

कांग्रेस का दावा- अनिल अंबानी ने एपस्टीन से मदद मांगी

मोदी-ट्रम्प की मुलाकात करानी थी; कल कहा था- ट्रम्प के लिए मोदी इजराइल में नाचे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को लगातार दूसरे दिन एपस्टीन फाइल्स का मुद्दा उठाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने दो पोस्ट ङ्क पर शेयर की हैं। इनमें अनिल अंबानी और अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच 16 मार्च 2017 को हुई चैट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। अनिल अंबानी चैट में एपस्टीन से कुशनर और बैनन (ट्रम्प के करीबी) से मुलाकात में उसकी मदद मांगते नजर आ रहे हैं। साथ ही ट्रम्प-मोदी की मुलाकात में भी एपस्टीन की हेल्प मांग रहे हैं। खेड़ा की दूसरी पोस्ट में 24 मई 2019 को जेफ्री एपस्टीन ने स्टीव बैनन से बीच हुई बातचीत का स्क्रीनशॉट है। इसमें एपस्टीन ने बैनन से कहा है कि मोदी की मीटिंग सच में दिलचस्प थी। मोदी के 'आदमी' ने उसे बताया कि वॉशिंगटन में कोई भी उससे बात नहीं करता। इससे पहले खेड़ा ने 31 जनवरी को दावा किया था कि पीएम मोदी ने मानव तस्करी, नाबालिगों के यौन शोषण और बलात्कार के दोषी जेफ्री एपस्टीन की सलाह मानी। अमेरिका के राष्ट्रपति को फायदा पहुंचाने के लिए इजराइल में नाच-गाना किया। इससे कुछ हफ्ते पहले उनकी मुलाकात हुई थी।

बजट

अब 60 करोड़ देंगे, मालदीव-म्यांमार का भी फंड कटा; भूटान को बढ़ाकर 2,288 करोड़ किया

बजट 2026-27 में भारत ने बांग्लादेश की मदद घटाकर आधी की

नई दिल्ली। भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में बांग्लादेश को दी जाने वाली मदद में बड़ी कटौती की है। इस साल बांग्लादेश के लिए सिर्फ 60 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जबकि पिछले साल 120 करोड़ रुपए दिए गए थे।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव चल रहा है। इसकी वजह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा और वहां की विदेश नीति में बदलाव है।

2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान से संबंध मजबूत करने शुरू किए हैं।

बांग्लादेश के अलावा मालदीव को 550 करोड़ रुपए मिलेंगे, लेकिन यह पिछले साल से कम है। म्यांमार के लिए 300 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जो पहले से कम हैं। इस बजट में भारत ने भूटान के लिए 2,288.55 करोड़ रुपए रखे हैं, जो पिछले साल से करीब 138 करोड़ रुपए ज्यादा हैं।

भारत ने बजट में अफ्रीकी देशों के लिए 225 करोड़ रुपए, लैटिन अमेरिकी देशों के लिए 120 करोड़ रुपए और यूरेशियन देशों के लिए 38 करोड़ रुपए रखे हैं। हालांकि ये स्पष्ट नहीं है कि इन रीजन के किस देश को कितना पैसा दिया जाएगा।

विदेश मंत्रालय का कुल बजट 22 हजार करोड़ से ज्यादा

भारत सरकार ने 2026-27 के लिए विदेश मंत्रालय का कुल बजट करीब 22,118 करोड़ रुपए रखा है। इसमें दफ्तर चलाने का खर्च और दूसरे जरूरी कामों का पैसा दोनों शामिल हैं। यह रकम पिछले साल के मुकाबले थोड़ी ज्यादा है।

विदेश मंत्रालय के तहत सचिवालय, विदेशों में बने दूतावास और मिशन, पासपोर्ट और इमीग्रेशन से जुड़े कामों पर भी पैसा खर्च होता है। इन सब पर सरकार करीब 9,500 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा भारत दूसरे देशों को आर्थिक मदद भी देता है।

पाकिस्तान से रिश्ते मजबूत कर रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत करने में लगी हुई है। यह एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि 1971 में बांग्लादेश के अलग होने के दौरान गंभीर अत्याचार हुए थे। नों देशों के बीच सीधे कार्गो जहाज चल रहे हैं और जल्द ही सीधी उड़ानें भी शुरू होने वाली हैं। पाकिस्तानी एयरलाइंस फ्लाई जिन्नाह और एयर सियाल को इन उड़ानों की मंजूरी मिल चुकी है। हाल ही में ढाका से एक विमान कराची पहुंचा, जिससे 14 साल बाद दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा फिर शुरू हो गई। इन घटनाओं के बीच 2024 से भारत और बांग्लादेश के रिश्ते लगातार खराब होते गए हैं।

संपादकीय

वोट बैंक का हिंदू, बराबरी का नहीं

भारत में 'हिंदू एकता' का नारा जितनी बार गूंजता है,
उतनी ही बार यह सवाल और तीखा हो जाता है—
क्या यह एकता हर हिंदू के लिए समान है?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

राजनीति में दलित, ओबीसी, अति-पिछड़े और आदिवासी
'हिंदू समाज' का हिस्सा तब माने जाते हैं जब—

- चुनाव सिर पर हों
- रैली में भीड़ चाहिए
- सोशल मीडिया पर संख्या दिखानी हो

लेकिन जैसे ही बात आती है—

- संसाधनों की बराबर हिस्सेदारी की
- शिक्षा और नौकरियों की
- मंदिरों में पुजारी बनने की
- सामाजिक सम्मान और नेतृत्व की

अचानक वही लोग 'नीची जाति',
'पिछड़ा वर्ग' और
'आरक्षित श्रेणी' में बदल दिए जाते हैं।

हिंदू धर्म : छत सबके लिए, सीढ़ी कुछ के लिए

हिंदू धर्म एक विशाल छत है,
लेकिन उस छत के नीचे बनी सीढ़ियाँ बराबर नहीं हैं।

कुछ जातियाँ जन्म से ऊपर खड़ी हैं,
कुछ को पूरी ज़िंदगी चढ़ते रहने को कहा जाता है,
और कुछ को यह सिखाया जाता है—

'तुम्हारा काम सेवा है, सवाल नहीं।'

मंदिर सबके, पुजारी कुछ के

देश में लाखों मंदिर हैं,
लेकिन आज भी 90 प्रतिशत से ज़्यादा पुजारी
एक ही सामाजिक वर्ग से आते हैं।

दलित को—

- भगवान के सामने हाथ जोड़ने की इजाज़त है,
- लेकिन भगवान का प्रतिनिधि बनने की नहीं।

यह कैसी धार्मिक समानता है?
और किस ग्रंथ में लिखा है कि
ईश्वर के द्वार सबके लिए खुले हों,
पर उसके मंच पर कुछ ही चढ़ें?

राजनीति का सुनियोजित पाखंड

चुनाव आते ही—

- दलित 'संत' बना दिए जाते हैं
- आदिवासी 'प्रतीक' बनते हैं
- पिछड़े 'राम भक्त' कहलाते हैं

लेकिन सत्ता मिलते ही—

- नीतियाँ वही बनाते हैं
- संसाधन वही बाँटते हैं
- फैसले वही लेते हैं

जिनके हाथों में सदियों से सत्ता रही है।

असली सवाल (जिससे सत्ता डरती है)

अगर दलित, ओबीसी और आदिवासी
वास्तव में बराबर के हिंदू हैं, तो—

- जाति अब तक ज़िंदा क्यों है?
- मंदिरों में भेद क्यों है?
- शादी-ब्याह में दीवार क्यों है?
- शिक्षा, मीडिया और सत्ता में

वही चेहरे बार-बार क्यों दिखते हैं?

निष्कर्ष (जो सबसे ज़्यादा चुभता है)

भारत में बहुजन समाज को
हिंदू इसलिए कहा जाता है कि वह विरोध न करे,
और पिछड़ा इसलिए रखा जाता है कि वह बराबरी न माँगे।

यह हिंदू एकता नहीं है।
यह सिर्फ़ संख्यात्मक एकता (Numerical Unity) है—
न सामाजिक,
न नैतिक,
न संवैधानिक।

एक पंक्ति में क्रूर सच्चाई

यह देश बहुजन को 'धर्म' देता है,
लेकिन 'सम्मान' नहीं।

संतुलन की पतली रस्सी पर बजट 2026

- डॉ0 प्रियंका सौरभ

आज 1 फरवरी 2026 को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सरकार आर्थिक अनुशासन और जनता की आकांक्षाओं के बीच संकरी राह पर चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाषण की शुरुआत ही स्थिरता, निरंतरता और दीर्घकालिक विकास की सोच से की। कोई अप्रत्याशित लोकलुभावन घोषणाओं का धमाका नहीं हुआ, बल्कि बजट ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया। राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत रखा गया, जो पूर्व निर्धारित 4.5 प्रतिशत लक्ष्य से भी नीचे है। यह कदम वित्तीय अनुशासन की मजबूत मिसाल पेश करता है। पूंजीगत व्यय को पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह बढ़ोतरी बुनियादी ढांचे, शहरी विकास परियोजनाओं और डिजिटल तकनीक क्षेत्रों पर केंद्रित है। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी, लेकिन वैश्विक आर्थिक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। बजट ने राजकोषीय घाटे को सख्ती से 4.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखा, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को 96,654 करोड़ रुपये तक सीमित किया गया, जो जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है। पूंजीगत व्यय पर 12.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन को नई गति देगा। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो संघीय ढांचे को मजबूत करेगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है—निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये विशाल निवेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करेंगे, या केवल महानगरों की चकाचौंध तक सीमित रहेंगे?

मध्यम वर्ग, जो देश की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है, को इस बजट में ठोस कर राहत? मिली है।

पुरानी कर व्यवस्था में मानक कटौती को 50,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह और अधिक उदार है। नई कर व्यवस्था में स्लैबों को सरल बनाया गया—5 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर। शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया (10 लाख रुपये तक), जबकि किराया टीडीएस सीमा को 2.4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया। दो स्व-व्यवहृत आवासीय संपत्तियों पर कर राहत का प्रावधान, आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष किया गया। कर संहिता को 819 धाराओं से घटाकर 536 धाराओं में सरलीकृत करने का वादा सराहनीय है। ये कदम करदाता को राजस्व का मात्र स्रोत न मानकर भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाना होगा, वरना ये राहतें कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह सकती हैं।

कृषि क्षेत्र, जो अभी भी 18 प्रतिशत जीडीपी और 65 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का आधार है, पर बजट ने विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को 100 जिलों में विस्तारित किया गया, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, सिंचाई और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर। पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाई गई। मत्स्य पालन विकास के लिए अंडमान-लक्षद्वीप में आर्थिक क्षेत्र घोषित, फल-सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रावधान। मनरेगा बजट में वृद्धि, ग्रामीण क्रेडिट स्कोरिंग प्रणाली से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ऋण सुगम। चमड़ा-फुटवियर और खिलौना उद्योगों से 22 लाख नए रोजगार का अनुमान है। ये प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगे, लेकिन वास्तविक परीक्षा यही होगी कि क्या ये योजनाएं कागजों से निकलकर खेतों, बाजारों तक पहुंच पाएंगी। छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलना चाहिए, न कि बड़े जमींदारों तक सीमित रहना चाहिए।

महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए लक्ष्मी वंदना योजना का विस्तार, स्वरोजगार ऋण पर गारंटी हटाई गई (20 लाख तक)। शहरी महिलाओं के लिए घर-आधारित कार्य को कर छूट का लाभ। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां महिला आरक्षण 50 प्रतिशत है, वास्तविक नेतृत्व को बढ़ावा देगा। ये कदम लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पंचायत स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी होगा।

देश की 60 प्रतिशत युवा आबादी (35 वर्ष से कम) को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट, जिसमें 50 नए आईआईटी और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्किल इंडिया कार्यक्रम को 2 लाख करोड़ रुपये, इंटर्नशिप योजना से 5 करोड़ युवाओं को प्रतिमाह 1 लाख रुपये स्टाइपेंड। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सहायता, रोजगार-केंद्रित विकास मॉडल। बेरोजगारी दर को 8 प्रतिशत से नीचे लाने का दृढ़ संकल्प दिखता है। स्टार्टअप इंडिया फंड को 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा। लेकिन सवाल वही है—क्या ये प्रयास नौकरियों का अवसर बनेंगे, या युवा पीढ़ी नौकरी के पीछे भटकती रहेगी?

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापना, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से 2 लाख करोड़ राजस्व लक्ष्य। डिजिटल इंडिया को 1 लाख करोड़ रुपये। स्वच्छ ऊर्जा पर 5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान—सौर पार्क, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर 100 प्रतिशत बीमा, जन विश्वास विधेयक 2.0 से 100 से अधिक पुराने कानून सरलीकृत। ये कदम भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन को पाटना होगा ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी तकनीक से वंचित न रहें।

अंत में, चुनौतियां भी कम नहीं। मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत पर नियंत्रित रखना, खाद्य महंगाई पर अंकुश। रक्षा बजट 6.5 लाख करोड़ रुपये से सीमा सुरक्षा मजबूत। पर्यावरण संरक्षण पर 1 लाख करोड़ रुपये, निर्यात प्रोत्साहन और नवाचार को बढ़ावा। बजट ने दिशा स्पष्ट कर दी है—अब क्रियान्वयन की रफ्तार और ईमानदारी ही परिणाम तय करेगी।

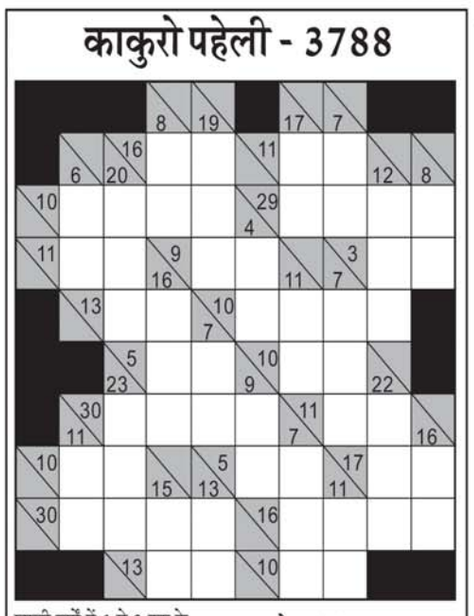

बजट 2026 गरीब, किसान, युवा, महिलाओं पर केंद्रित 10 प्रमुख क्षेत्रों का यथार्थवादी रोडमैप है। यह न केवल उम्मीदें जगाता है, बल्कि सवाल भी खड़े करता है। असली कसौटी अमल में होगी—दिशा साफ है, अब गति दिखाने की बारी!

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3788

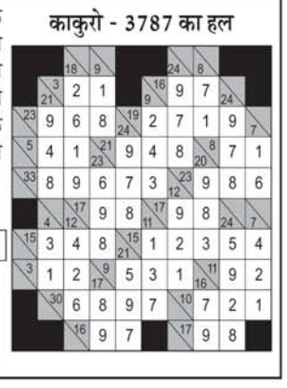

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15/24 | 1 2 3 4 5
7
8
9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3787 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

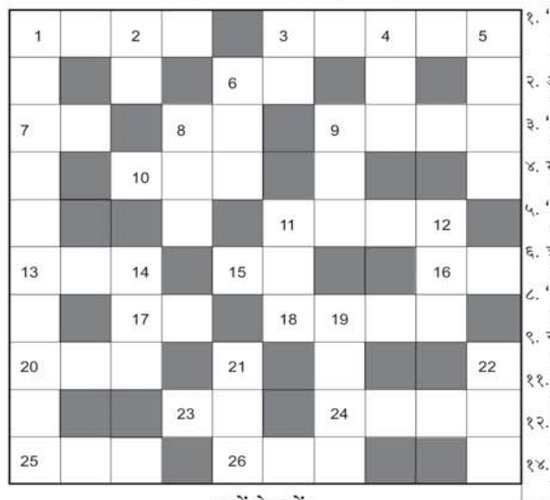

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3788

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3787

सूडोकु - 3788

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3787 का हल

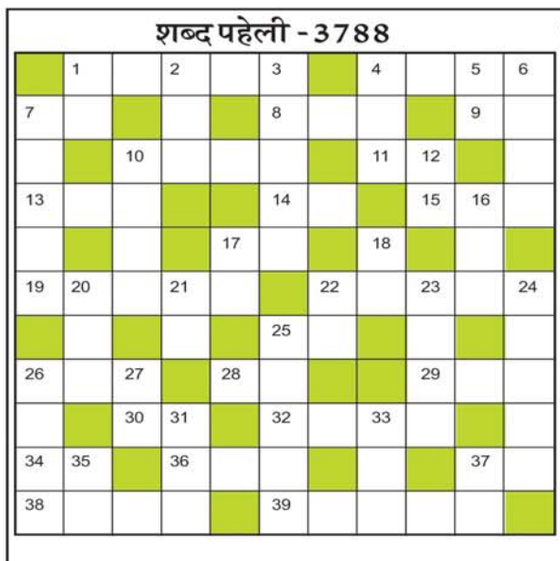

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3788

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूर्ण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 3787 का हल

नोएडा में 11 बाइक के साथ दो गिरफ्तार

15 लाख आंकी गई कीमत, झाड़ियों में छिपाकर रखते थे बाइक

नोएडा। रेकी कर दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का थाना सेक्टर-113 पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने गिरोह के सरगना और उसके एक साथी को गिरफ्तार करते हुए चोरी की 11 बाइक और दो चाकू बरामद किए हैं। दोनों आरोपी लंबे समय से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे और इनके खिलाफ दिल्ली व नोएडा के अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज है।

एडिशनल डीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिल्ली के गीता कॉलोनी निवासी मोहम्मद नौशाद उर्फ गोलू और एटा मूल निवासी धीरज उर्फ बाबे के रूप में हुई है। धीरज वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-121 स्थित गणेश होम्स में किराए का कमरा लेकर रह रहा है। गिरोह का सरगना मोहम्मद नौशाद महज 23 साल का है और वह अशिक्षित बताया जा रहा है।

जबकि 21 साल धीरज सातवीं कक्षा तक पढ़ा-लिखा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले इलाके में घूम-घूमकर रेकी करते थे। वे यह देखते थे कि कौन सी मोटरसाइकिल लंबे समय से एक ही जगह खड़ी है, कहां सुरक्षा के इंतजाम कमजोर हैं और किस समय लोगों की आवाजाही कम रहती है।

इसके बाद मौका मिलते ही मोटरसाइकिल चोरी कर लेते हैं। चोरी के बाद आरोपी वाहनों को तुरंत बेचने के बजाय झाड़ियों और सुनसान जगहों में छुपा देते थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें।

झाड़ियों में छुपाकर रखते थे चोरी के वाहन

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 11 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। ये सभी वाहन झाड़ियों और खाली प्लॉटों में छुपाकर रखे गए थे। पुलिस का दावा है कि बरामद मोटरसाइकिलों व पार्टस की कुल कीमत करीब 15 लाख रुपये के आसपास है। इसके साथ ही आरोपियों के पास से दो चाकू भी मिले हैं, जिनका इस्तेमाल वे डराने-धमकाने या जरूरत पड़ने पर वारदात के दौरान कर सकते थे।

बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मोहम्मद नौशाद के खिलाफ दिल्ली और नोएडा के अलग-अलग थानों में कुल पांच मुकदमे दर्ज हैं।

वहीं उसके साथी धीरज उर्फ बाबे के खिलाफ भी पांच आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं। इनमें वाहन चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं के तहत केस शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख चुके थे और लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

अधूरे पड़े बिल्डर प्रोजेक्ट पूरे होने की उम्मीद

नोएडा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट पेश करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड की घोषणा की। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को नई उड़ान मिलेगी। बंद पड़ी पुरानी परियोजनाओं को पूरा करने और नई शुरू करने में मदद मिलेगी। अब तक बड़ी परियोजनाओं के निर्माण के दौरान जोखिम होने को लेकर बैंक और निवेशक डरते थे, लेकिन यह फंड कर्ज देने वाले बैंकों को गारंटी देगा। इससे बड़ी परियोजनाओं को ऋण दिया जा सकेगा।

सिग्नेचर ग्लोबल इंडिया के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि यह बजट दीर्घकालिक विजन के अनुरूप है। सतत, समावेशी तथा भविष्य के लिए तैयार आर्थिक विकास की मजबूत नींव रखता है। बूट्स के प्रबंध निदेशक दीपक राय ने कहा कि यह बजट भारत के शहरी विकास और रियल एस्टेट दृष्टिकोण में स्वास्थ्य को केंद्र में रखने वाली सोच को मजबूती देता है। एलांते समूह की अतिरिक्त उपाध्यक्ष हेनम खनेजा ने कहा कि पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों, विशेष रूप से टियर-दो और टियर-तीन विकास केंद्रों के साथ-साथ सिटी इकोनॉमिक रीजन के विकास पर दिया गया फोकस संतुलित शहरी विकास को बढ़ावा देगा।

वित्तीय मजबूती आएगी

गंगा रियल्टी के संयुक्त प्रबंध निदेशक विकास गर्ग के मुताबिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड भरोसा बढ़ाएगा। निर्माण में जोखिम कम करेगा। आरईआईटी से एसेट मोनेटाइजेशन से संस्थागत निवेश बढ़ेगा। परियोजनाओं की वित्तीय मजबूती आएगी।

त्रेहान समूह के प्रबंध निदेशक सारांश त्रेहान के मुताबिक यह बजट रियल एस्टेट सेक्टर को रोजगार, शहरीकरण और समावेशी विकास में स्थायी योगदान देने में मदद करेगा।

शार्ट न्यूज

उत्तर भारत में यीडा क्षेत्र सेमीकंडक्टर का हब बनेगा

ग्रेटर नोएडा। बजट में सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की घोषणा के बाद यीडा क्षेत्र उत्तर भारत में सेमीकंडक्टर का हब बनेगा। इसके लिए यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-28 में पहली इकाई स्थापित करने के लिए 48 एकड़ जमीन आंवटित की जा चुकी है। कंपनी ने मौके पर बाउंड्री वॉल और मिट्टी की जांच का काम शुरू कर दिया है। यह लगभग डेढ़ वर्ष में शुरू हो जाएगी। यीडा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करने के लिए पांच कंपनियों ने आवेदन किया है। एचसीएल और फॉक्सकॉन कंपनी के संयुक्त उपक्रम मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद 18 जनवरी को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 48 एकड़ भूमि का आवंटन पत्र सौंपा था।कंपनी क्षेत्र में 3706.15 करोड़ का निवेश करेगी। इस परियोजना से शहर में करीब 4000 लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध होगा। कंपनी 240000 यूनिट स्माल पैनल ड्राइवर आईसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण करेगी। इसके लिए प्रतिदिन 19 हजार केवीए बिजली की जरूरत पड़ेगी। दो हजार एमएलडी पानी प्रतिदिन लगेगा।

गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन के पास महिला से छेड़छाड़

नोएडा। गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन के पास युवक ने शुक्रवार रात करीब नौ बज महिला से छेड़छाड़ और अभद्रता की। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सेक्टर-37 निवासी महिला ने पुलिस को शिकायत दी कि वह अपने घर जाने के लिए गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर उतरी थीं। इसी दौरान उनसे आगे चल रहा युवक अचानक पीछे मुड़ा और अश्लील हरकतें करने लगा। उसने जबरन अनुचित स्पर्श करने का प्रयास किया। युवक की हरकतों से वह भयभीत हो गईं। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया और जबरदस्ती करने लगा।उन्होंने शोर मचाना शुरू किया तो वहां से गुजर रहे कुछ लोग पहुंच गए। लोगों को आता देखकर आरोपी घबरा गया। इसी बीच महिला की सहेली भी वहां आई गई। उसके पूछने पर आरोपी ने अपना नाम नवीन कुमार निवासी हरिजन बस्ती सेक्टर-37 बताया और भाग गया। घटना के बाद से पीड़िता काफी सहमी हुई है। उसका कहना है कि आरोपी अक्सर इस तरह की हरकतें करता है और पहले भी महिलाओं के साथ अभद्रता की कोशिश कर चुका है।

आम्रपाली सफायर सोसाइटी में एसटीपी न चलने पर लाखों का जुर्माना

नोएडा। नोएडा ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) चलता न मिलने पर सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर द्वितीय सोसाइटी पर 73 लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा सोसाइटी प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए कोतवाली में तहरीर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण की पर्यावरण सेल ने 31 जनवरी को मैसर्स आम्रपाली सफायर द्वितीय सोसाइटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण में परिसर के अंतर्गत स्थापित एसटीपी मानकों के अनुरूप संचालित नहीं पाया गया। यह क्रियाशील नहीं था। सीवेज का पानी सीधे नाली में बहाया जा रहा था।एसटीपी के आसपास दुर्गंध भी आ रही थी। इसका रखरखाव खराब हालत में था। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता मिला। इसी क्रम में पर्यावरणीय कानूनों, जल अधिनियम 1974, वायु अधिनियम 1981, ठोस अपशिष्ट 2000 और 2016 के उल्लंघन के क्रम में सोसाइटी पर जुर्माना लगाया गया। इस बारे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को अवगत करा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लगातार पर्यावरणीय कानून का उल्लंघन कर रही है।

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो का काम शुरू कराने के लिए प्रदर्शन करेंगे

ग्रेटर नोएडा। नेफोवा की ओर से रविवार को आयोजित बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा निर्णय लिया गया कि क्षेत्र में मेट्रो का काम जल्द शुरू करवाने के लिए 15 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन होगा। नेफोवा ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निदान न होने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की बदहाली, अतिक्रमण और वर्षों से अधूरी सड़कों के कारण लोगों को जाम से जुझना पड़ता है। इसको लेकर संबंधित विभाग और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ मुकदमा दायर किया जाएगा।नेपोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि बैठक में क्षेत्र में पुलिस गश्ती की कमी के ऊपर चिंता जाहिर की गई। बैठक में विचार-विमर्श कर यह तय किया गया कि जल्द ही डीसीपी सेंट्रल नोएडा एवं पुलिस कमिश्नर से मिलकर इस पर ठोस कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने से छीना-झपटी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनको रोकने की जरूरत है।

ग्रेनो में हॉकी स्टेडियम की परियोजना को गति मिलेगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम और शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की परियोजना को और रफ्तार मिलेगी। इसमें रुपये की कमी बाधा नहीं बनेगी। वहीं, प्रशिक्षण केंद्र बनने से खिलाड़ियों के हुनर को निखारने में मदद मिलेगी। उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। बजट 2026-27 में खेलो इंडिया मिशन की स्थापना कर अगले 10 वर्षों में खेलों को और अधिक बढ़ावा देने की घोषणा की गई।जगह- जगह पर प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाने का प्रावधान किया गया। खास बात यह है कि कोच और सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को इसका लाभ मिल सकता है। प्राधिकरण ने इस खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र बनाने की जो परिकल्पना की है,उसे बल मिलेगा। अधिकारी के मुताबिक क्रिकेट सहित प्रत्येक खेल मैदान का तकनीकी मूल्यांकन कराकर सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

लखपति दीदी के उत्पादों को पहचान मिलेगी

ग्रेटर नोएडा। जिले की करीब 1900 लखपति दीदी के उत्पादों को अलग पहचान मिलेगी। केंद्रीय बजट में महिला स्वयं सहायता समूह उद्यमियों के लिए शी मार्ट स्थापित किए जाएंगे। यहां वह अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर उन्हें पहचान दिला सकेंगी। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत महिलाएं खुद को आत्मनिर्भर बना रही हैं। जिले में 1709 स्वयं सहायता समूह हैं। इनमें करीब 17 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें 1900 महिलाएं ऐसी हैं, जो अपना घर संभालने के साथ सैकड़ों महिला और पुरुषों को रोजगार दे रही हैं। इनका काम कंपनी का रूप ले चुका है।यानी कि जिले में 1900 महिलाएं अपना काम शुरू कर लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार ने इन महिलाओं के उत्पादों को अलग पहचान दिलाने की तैयारी की है। इसके लिए बजट में अब महिलाओं के उत्पादों को प्रदर्शन करने के लिए खुदरा दुकानें स्थापित की जाएंगी। यहां महिलाएं खुद के द्वारा बनाए जा रहे कॉस्मेटिक, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, डेयरी उत्पाद, कपड़ा, मिट्टी कला और अन्य उत्पादों को देशभर में अलग पहचान दिला सकेगी।

विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों पर आर्थिक दबाव कम होगा

ग्रेटर नोएडा। जिले के करीब पांच हजार से अधिक विदेशों में पढ़ाई करने वाले छात्रों और उनके परिजनों के लिए अच्छी खबर है। बजट में केंद्र सरकार ने टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) के नियमों में बदलाव कर दर को पांच प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। इससे छात्रों व उनके परिजनों पर आर्थिक दबाव कम होगा। लीड बैंक मैनेजर के मुताबिक गतवर्ष अक्टूबर से दिसंबर तक तीन माह में ही विदेशों में पढ़ाई करने के लिए 2747 खाता धारकों ने 227 करोड़ का लोन लिया है। गौतमबुद्धनगर से बड़ी संख्या में छात्र विदेश में मेडिकल समेत अन्य पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने जाते हैं। केंद्रीय बजट में विदेश में पढ़ाई के लिए भेजे जाने वाले पैसों पर टीसीएस के नियम आसान बना दिए गए हैं। शिक्षा और चिकित्सा के लिए यह राहत 10 लाख रुपये से अधिक की राशि भेजने पर मिलेगी, जिससे छात्रों और उनके अभिभावकों पर वित्तीय बोझ कम होगा।

सिक्का कामना ग्रीन सोसाइटी मूलभूत सुविधाओं को परेशान

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-143 स्थित सिक्का कामना ग्रीन सोसाइटी में रविवार को मूलभूत सुविधाओं के विरोध में निवासियों ने प्रदर्शन किया। सोसाइटी के लोगों ने सुबह 10 बजे सोसाइटी का गेट बंद कर दिया और बिल्डर के खिलाफ नारेबाजी की। सोसाइटी में बिजली, पानी, लिफ्ट जैसी सुविधाओं का अभाव है। करीब पंद्रह वर्ष बाद भी बिल्डर अब तक सोसाइटी में क्लब और स्वीमिंग पूल जैसी सुविधा नहीं दे सका है।

सोसाइटी में पहले चरण के तहत पांच टॉवर तैयार हो चुके हैं। इनमें करीब 500 परिवार रहते हैं, लेकिन अभी तक सोसाइटी के लिए घरेलू बिजली कनेक्शन नहीं लिया गया है व न ही गंगाजल की आपूर्ति होती है।निवासियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती रजिस्ट्री भी है। बिल्डर द्वारा सुविधा विकसित न करने के लिए चलते लोग अपना फ्लैट बेचना चाहते हैं, लेकिन रजिस्ट्री ना होने से उन्हें दिक्कत हो रही है। आरोप है कि बिल्डर खरीदारों से वर्षों पहले भुगतान ले चुका है, लेकिन उन्हें समय पर कब्जा नहीं दिया जा रहा। सोसाइटी में अबतक ना तो पार्क बना है और ना ही खेलकूद के कुछ इंतजाम है। पानी के टैंक खुले रहते हैं, जिससे उसमें आए दिन गंदगी जमा होती रहती है। आरोप यह भी है कि निवासी सोसाइटी के मुख्य द्वार पर सुविधा न होना बोर्ड चस्पा करता हैं, जिसे बिल्डर प्रबंधन की ओर से हटा दिया जाता है। इससे नए खरीदार गुमराह होते हैं।

दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर 15 दिन से खुला गड्ढा

निजी कंपनी को नोटिस जारी, बिना अनुमति खोदी पाइपलाइन

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर किसान आदर्श इंटर कॉलेज के पास एक निजी कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदा गया गहरा गड्ढा पिछले करीब 15 दिनों से खुला पड़ा है। सड़क किनारे स्थित यह गड्ढा बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

कंपनी ने गड्ढा खोदने के बाद न तो उसे भरा है और न ही वहां कोई चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा संकेत, बैरिकेडिंग, लाल झंडा या रिफ्लेक्टर लगाए हैं। यह लापरवाही ऐसे समय में सामने आई है जब यह सड़क दनकौर को सिकंदराबाद से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है, जहां से दिन-रात भारी वाहन,

बसें, कार और दोपहिया वाहन गुजरते हैं।

स्थानीय निवासियों, जिनमें संजय, अनुज, राकेश, अनिल, विशाल और गोविंद शामिल हैं, ने चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि अंधेरे में यह गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों को आशंका है कि नोएडा के सेक्टर-150 में इंजीनियर की मौत जैसी घटना यहां भी दोहराई जा सकती है।

ग्रामीणों और राहगीरों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग और कंपनी को इस समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस लापरवाही को लेकर उनमें रोष है। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

दनकौर नगर पंचायत की अध्यक्ष राजवती देवी ने बताया कि पाइपलाइन के लिए गड्ढा खोदने के लिए कंपनी ने नगर पंचायत से कोई अनुमति नहीं ली है। उन्होंने कहा कि संबंधित कंपनी को इस संबंध में नोटिस जारी किया जाएगा और यदि समस्या का समाधान नहीं होता है तो कार्रवाई भी की जाएगी।

यमुना प्राधिकरण पर 16 फरवरी को आंदोलन

किसानों ने आबादी बचाओ अभियान पर की बैठक

जेवर। किसान एकता संघ द्वारा चलाए जा रहे आबादी बचाओ अभियान के तहत रविवार को ग्रेटर नोएडा के अच्छेजा बुजुर्ग गांव में एक महत्वपूर्ण पंचायत का आयोजन किया गया। यह पंचायत जावेद सोलंकी के आवास पर हुई, जिसकी अध्यक्षता कृष्ण बैंसला ने की और संचालन प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने किया।

पंचायत को संबोधित करते हुए किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने कहा कि आबादी का मुद्दा किसानों की आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान अपनी आबादी का निस्तारण कराकर ही दम लेंगे और इस बार आबादी के मुद्दे पर आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय पर 16 फरवरी को बड़ा आंदोलन किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि जनपद गौतमबुद्ध नगर के किसानों की समस्याओं को लेकर किसान एकता संघ पूरी तरह गंभीर है। संगठन द्वारा सभी गांवों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक किसानों को महापंचायत में शामिल किया जा सके। उन्होंने दावा किया कि आगामी महापंचायत में हजारों किसान अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। पंचायत में मौजूद ग्रामीणों और किसानों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अखिलेश प्रधान, शिवम शर्मा, राकेश सैनी, लक्ष्मण सैनी, दीपु सैनी, मेहरबान अली और इंतजाम अली सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

सोसाइटी के बेसमेंट में एसटीपी का पानी भरा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की अजनारा होम सोसाइटी के बेसमेंट में रविवार को तीन फीट तक एसटीपी का पानी भर गया। आरोप है कि इससे लोगों के गिरने का खतरा है। सोसाइटी निवासी चंदन और दिनकर ने बताया कि एसटीपी के पाइप से पिछले कई दिनों से बेसमेंट में पानी लीक हो रहा था। धीरे-धीरे इसका स्तर बढ़ता गया। रविवार को अचानक पाइप फट गया और बेसमेंट में करीब दो से तीन फीट ऊपर तक पानी भर गया। इस कारण अधिक बदबू आ रही है। लोगों को बेसमेंट में जाने से डर लग रहा है। लोगों का कहना है कि अगर रात के समय कोई व्यक्ति वाहन निकालते समय पानी में गिर जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है।प्राधिकरण से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

सवा लाख सीएनजी वाहन चालकों को राहत

ग्रेटर नोएडा। आम बजट में इलेक्ट्रॉनिक और सीएनजी वाहन चालकों के लिए अच्छी खबर है। बजट में दाम कम होने से जिले के 1.26 लाख से अधिक सीएनजी वाहन चालकों को राहत मिलेगी। इसके अलावा बैटरी के दाम सस्ते होने से ईवी की ओर रुख बढ़ेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण पर पड़ेगा। बता दें कि जिले में प्रदूषण के कारकों में सबसे अहम यातायात है। ऐसे में सीएनजी व ईवी की संख्या बढ़ने के बाद पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। परिवहन विभाग के अनुसार जिले में कुल 126548 सीएनजी वाहन पंजीकृत हैं।इस बार बजट में वित्त मंत्री ने वाहन परिवहन क्षेत्र को अच्छा लाभ दिया है ईवी और सीएनजी वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए यह कदम बेहतर साबित होगा। इससे ईवी और सीएनजी वाहनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा। जहां अभी ईवी वाहन ज्यादा कीमत पर मिलते थे। एआरटीओ प्रशासन नंद कुमार ने बताया कि बैटरी बनाने के सामान पर सीमा शुल्क लगने से कीमत कम हो जाएगी। साथ ही प्रदूषण कम करने में भी यह कदम कारगर होगा। वहीं, सीएनजी कार चालक राहुल शर्मा ने बताया कि ईवी वाहनों को प्रोत्साहन देने के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी काम करने की आवश्यकता है, क्योंकि ईवी वाहनों के चार्जिंग स्टेशन अभी पर्याप्त मात्रा में नहीं हैं, ऐसे में लंबी यात्रा मुश्किल हो सकती है। वहीं, कार चालक रविंद्र मिश्रा ने बताया कि डीजल की गाड़ियों पर ग्रेप लगने पर रोक लग जाती है।

जिला अस्पताल में सुविधाएं बढ़ने और ट्रॉमा सेंटर जल्द शुरू होने की उम्मीद

नोएडा। आम बजट पेश होने के बाद जिले में कई स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने की उम्मीद है। जिले में पहला सरकारी ट्रॉमा सेंटर जल्द शुरू होने और जिला अस्पताल में भी कई विशेषज्ञों की सेवाएं बढ़ने की संभावना है। वहीं कैंसर और मधुमेह की दवाओं की कीमत कम होने से लाखों मरीजों को राहत मिलेगी। आम बजट में देशभर के जिला अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने की घोषणा हुई है। वर्तमान में जिला अस्पताल में किडनी, हृदय, कैंसर, सहित अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं हैं। इनके इलाज की सुविधा भी नहीं है। ऐसे में जिला अस्पताल में सुविधाएं बढ़ने की स्थिति में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा मरीजों को मिलेगी।

जेवर में जिले का पहला ट्रॉमा सेंटर बनकर तैयार है। यह 10 बेड से शुरू होगा, लेकिन बजट में ट्रॉमा सेंटर की क्षमता बढ़ोतरी की घोषणा के बाद बेड की संख्या में बढ़ोतरी संभव है। ट्रॉमा सेंटर के लिए निर्मित भवन स्वास्थ्य विभाग जल्द ही हैंड ओवर लेगा। ट्रॉमा सेंटर की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जिला अस्पताल में प्रत्येक दिन 3500 से अधिक मरीज ओपीडी में परामर्श लेने आते हैं। मल्टीस्पेश्यलिटी और सुपरस्पेश्यलिटी डॉक्टरों के परामर्श के लिए मरीजों को निजी अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। कैंसर और मधुमेह की दवा की कीमत कम होने से 2 लाख से अधिक मरीजों को राहत कैंसर, मधुमेह सहित ऑटो इम्यून बीमारियों की दवाओं की कीमत कम करने की घोषणा के बाद जिले में दो लाख से अधिक मरीजों को राहत मिलेगी। जिले में मधुमेह के करीब दो लाख मरीज हैं। कैंसर के मरीजों की संख्या (2022 तक) 9634 है। इसके अलावा ऑटो इम्यून और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की दवा भी सस्ती होगी। जिसका लाभ मरीजों के इलाज में होगा। जिले में आयुष केंद्र भी बनाया जा सकता है जिले में वर्तमान में एक ही स्थान पर आयुष चिकित्सा से संबंधित केंद्र नहीं है। बल्कि ये विभाग अलग-अलग स्थानों पर चल रहे हैं।

कार में बैठी महिला को फ्लाइंग किस दी, गिरफ्तार

नोएडा में पीछा कर अश्लील इशारे किए; फैमिली के साथ बच्चा भी था

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा में कार सवार 3 लड़कों ने एक फैमिली का पीछा करके अश्लील इशारे किए। महिलाओं को फ्लाइंग किस दी। फैमिली के लोग मना करते रहे, लेकिन वह नहीं माने।

घटना के 2 वीडियो सामने आए हैं। पहले वीडियो में लड़के गंदे-गंदे इशारे करते हैं। दूसरे वीडियो में फैमिली के साथ मौजूद युवक कहता है- भाई ने ड्रिंक कर रखी है। हमारे साथ हमारी फैमिली है। ये बदतमीजी कर रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एमजी हेक्टर कार में आगे की सीट पर 2 लड़के और पीछे एक लड़का बैठा है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। नंबर से गाड़ी को ट्रेस किया। इसके बाद 2 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। तीसरे युवक का अभी पता नहीं चला पाया है। घटना में इस्तेमाल एमजी हेक्टर कार को भी जब्त कर लिया है। घटना थाना सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के एलिवेटेड रोड की है।

अब पढ़िए पूरा मामला

एलिवेटेड रोड पर शनिवार रात को एक युवक अपनी फैमिली के साथ गाड़ी में जा रहा था। गाड़ी में उसके साथ एक बच्चा और एक महिला थी। तभी एमजी हेक्टर कार सवार लड़कों ने उनका पीछा किया।

हेक्टर कार में 3 लड़के थे। आरोप है कि सभी शराब के नशे में थे। लड़के अपनी कार फैमिली वाली गाड़ी के बराबर में ले आए। इसके बाद महिला की ओर अश्लील इशारे करने लगे।

युवक इसका लगातार विरोध करता रहा, लेकिन वह नहीं माने। लड़कों ने अश्लील इशारों के साथ फ्लाइंग किस भी की। फैमिली के साथ मौजूद युवक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

वीडियो के आधार पर पुलिस ने एक्शन लिया

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने वीडियो में दिख रही गाड़ी को ट्रेस किया। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एमजी हेक्टर कार को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम अमित कुमार और अभिषेक हैं। अमित आजमगढ़ जिले का रहने वाला है। वह अभी जेवीएस सोसाइटी में रहता है। वहीं, अभिषेक मैनपुरी जिले का रहने वाला है। दोनों कॉरपोरेट सेक्टर में जॉब करते हैं। पुलिस का कहना है कि वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई है। अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

झांसी में वेंडर की हत्या, गोली सिर के आर-पार

चेन्नई जाने के लिए घर से निकला; लाश के पास सब्जी-पूड़ी और शराब मिली

झांसी। झांसी में गोली मारकर ट्रेन वेंडर की हत्या कर दी। गोली कनपटी के आर-पार हो गई। लाश के पास सब्जी-पूड़ी और आधा पाउच शराब मिला है।

शनिवार को वह घर से चेन्नई जाने के लिए निकला था। रविवार को स्टेशन से करीब 500 मीटर दूर झाड़ियों में लाश मिली। जेब में मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान ललितपुर के रहने वाले जगभान कुशवाहा (44) पुत्र सरमन के रूप में हुई है।

सूचना पर परिजन झांसी पहुंचे, शव का पोस्टमॉर्टम कराया। शाम को परिजन शव लेकर गांव के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना नवाबाद थाना क्षेत्र के स्टेशन से पुलिया नंबर-9 जाने वाले मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास

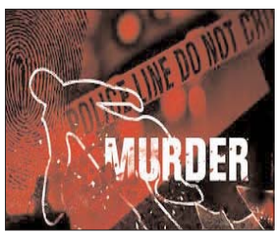

की है।

पुलिस वेरिफिकेशन के लिए 2 दिन पहले आया था

जगभान की पत्नी किरन ने बताया- मेरे पति जगभान 16 साल से ट्रेन में वेंडर का काम कर रहे थे। वह चेन्नई में रहते थे। कंपनी ने पुलिस वेरिफिकेशन मांगा था। इसलिए वह 28 जनवरी को घर तेरई फाटक आए थे। यहां पुलिस वेरिफिकेशन कराया। शनिवार रात को उनको झांसी से चेन्नई की ट्रेन पकड़नी थी। इसलिए शाम 4 बजे बेटे राज ने पति को बस में बैठाया था। झांसी पहुंचने पर वे अपने चाचा भग्गे के घर पुलिया नंबर 9 मोहल्ले में चले गए। वहां से फोन लगाया और चाची की अपनी मां प्रेमबाई से बात कराई। फिर रात को दोबारा फोन लगाया। बताया कि चचेरे भाई हेमंत ने स्टेशन छोड़ दिया है।

गोली मारकर झाड़ियां में फेंका

पुलिस के मुताबिक, रात को जगभान की कनपटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को पुलिया नंबर 9 से स्टेशन जाने वाले रास्ते पर हनुमान मंदिर के पास झाड़ियों में फेंका गया। जब सुबह लगभग 9 बजे लोगों ने लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी। इस पर एसपी सिटी प्रीति सिंह, सीओ सीटी लक्ष्मीकांत गौतम, नवाबाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।

जांच में जगभान की लाश के पास रोटी, पूड़ी, सब्जी और आधा पाउच शराब मिला। जबकि जेब से आधार कार्ड मिला। पुलिस ने तालबेहट पुलिस को आधार कार्ड भेजा। वहां से पुलिस ने तेरई फाटक प्रधान हीरालाल कुशवाहा को जानकारी दी।

दोपहर बाद प्रधान परिवार को लेकर झांसी पहुंचे। जगभान के भाई अशोक ने कहा- हत्या किसने की, अभी ये पता नहीं चल पाया है। हम लोग थाने जाकर शिकायत दे रहे हैं।

एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि नवाबाद थाना पुलिस को सूचना मिली कि स्टेशन से पुलिया नंबर 9 की ओर जाने वाले मार्ग पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मोके पर पहुंची। युवक की कनपटी पर चोट का निशान था। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

प्रोजेक्ट नई किरण ने तीन परिवार का कराया पुनर्मिलन

ललितपुर। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक ललितपुर के निर्देशन में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया, जिसमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 03 परिवार में आपसी सुलह के आधार पर समझौता कराया गया। 03परिवार खुशी - खुशी साथ -साथ रहने को तैयार हो गये एवं आपस में मिठाई खिलाकर रिस्तों की मिठास का दिया संदेश व 05 मामलों में अग्रिम तिथि दी गई।

नई किरण प्रोजेक्ट से जनपद में बिखरे हुए परिवारों को जोडकर उनके दाम्पत्य जीवन में एक नई रोशनी आयेगी, नई किरण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बिखरे परिवार को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है ।

इस पुनीत कार्य में नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्य अजय बरया , डॉ. एस पी पाठक, सुभाष जैन डॉ जनक किशोरी शर्मा डॉ एड अरमान अजीज कुरैशी नई किरण में अपर पुलिस अधीक्षक महिलाथानाध्यक्ष अनीता देवी महिला हे0 का0 आशा देवी व महिला आरक्षी सिमरन आदि का विशेष सहयोग रहा ।

उन्नाव में नशेबाजों को टोकने पर युवक को गोली मारी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र के कल्लुपुरवा गांव में रविवार शाम नशे का विरोध करने पर एक युवक को गोली मार दी गई। घटना के बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजनों और पुलिस की सहायता से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव में इस वारदात के बाद दहशत का माहौल है। घायल युवक की पहचान कल्लुपुरवा निवासी 50 वर्षीय ओम प्रकाश पुत्र बुद्धि लाल के रूप में हुई है। ओम प्रकाश ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे के साथ बहू को लेने जा रहे थे। गांव के चौराहे पर कुछ युवक गाड़ी खड़ी कर शराब के नशे में हंगामा कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया और उन्हें गाड़ी हटाने को कहा, तो नशे में धुत युवकों ने अचानक गोली चला दी। गोली ओम प्रकाश के चेहरे और दाहिने कंधे में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। ओम प्रकाश ने आरोप लगाया कि हमलावरों में श्रीराम का लड़का, बैजू का लड़का और एक अज्ञात युवक शामिल थे।

अवैध होर्डिंग पर प्रहार : शहर की सुंदरता और सुरक्षा की दिशा में जरूरी कदम

पीलीभीत। शहर की सड़कों और चौराहों पर लंबे समय से बेतरतीब ढंग से लगे अवैध होर्डिंग न केवल नगर की सुंदरता को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि आमजन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन चुके हैं। ऐसे में प्रशासन द्वारा सोमवार से अवैध होर्डिंग हटाओ अभियान शुरू करने का निर्णय एक सराहनीय और समयोचित कदम माना जाना चाहिए। शहर की मुख्य सड़कों, बिजली के खंभों और चौराहों पर बांस-बल्लियों के सहारे लगाए गए भारी-भरकम होर्डिंग आए दिन हादसों की आशंका को जन्म देते हैं। तेज हवा या बारिश के दौरान इनके गिरने से जनहानि की घटनाएं भी हो सकती हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी, जिससे अवैध विज्ञापन लगाने वालों के हौसले बुलंद होते चले गए। सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर के नेतृत्व में नगर पालिका द्वारा अभियान शुरू किए जाने से यह स्पष्ट संदेश गया है कि अब नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रशासन ने केवल होर्डिंग हटाने तक ही सीमित न रहकर दोबारा अवैध विज्ञापन लगाने वालों और इसमें संलिप्त पालिका कर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे अभियान की गंभीरता और प्रभावशीलता दोनों बढ़ेंगी। दरअसल, अवैध होर्डिंग केवल सौंदर्य का सवाल नहीं हैं, बल्कि यह शहरी अव्यवस्था, प्रशासनिक लापरवाही और नियमों की अनदेखी का प्रतीक भी बन चुके हैं। यदि नगर पालिका द्वारा चिन्हित स्थानों के अलावा कहीं भी विज्ञापन न लगाने के नियम का सख्ती से पालन कराया जाए, तो शहर को अव्यवस्थित पोस्टरों और होर्डिंग से काफी हद तक मुक्ति मिल सकती है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि यह अभियान केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए। पूर्व में कई बार ऐसे प्रयास कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चले गए, जिससे अवैध गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं। इस बार निरंतर निगरानी, जवाबदेही तय करने और दंडात्मक कार्रवाई के माध्यम से इसे स्थायी रूप दिया जाना चाहिए। पीलीभीत जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगर को साफ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना प्रशासन और नागरिकों दोनों की साझा जिम्मेदारी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और निरंतरता के साथ चलाया गया, तो यह न केवल शहर की तस्वीर बदलेगा, बल्कि शहरी अनुशासन की एक नई मिसाल भी कायम करेगा।

बीसलपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

हाईवे पर पड़ा मिला शव, अज्ञात वाहन की टक्कर से गई जान

पीलीभीत। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद युवक का शव बीसलपुर-पीलीभीत हाईवे पर गांव परसिया के समीप पड़ा मिला। देर रात गश्त पर निकली पुलिस टीम की नजर जब सड़क पर पड़े शव पर पड़ी तो घटना की जानकारी हुई।

पुलिस द्वारा युवक की जेब की तलाशी लेने पर मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव लौंगहा निवासी प्रदीप कुमार गंगवार (25 वर्ष) के रूप में की गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने परिजनों को तत्काल अवगत कराया।परिजनों के अनुसार मृतक प्रदीप कुमार शनिवार की देर शाम किसी आवश्यक कार्य से बाइक द्वारा

गांव टिकरी गया था। काम निपटाने के बाद वह देर रात अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान बीसलपुर्ङपीलीभीत हाईवे पर गांव परसिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रदीप सड़क पर गिर पड़ा और अज्ञात वाहन उसे कुचलते हुए निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।रात के समय गश्त कर रही कोतवाली पुलिस टीम जब हाईवे से गुजर रही थी, तभी सड़क पर युवक का शव पड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और पहचान होने के बाद रात करीब एक बजे परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। युवक की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मौके से क्षतिग्रस्त बाइक भी बरामद की गई है। कोतवाली प्रभारी संजीव शुक्ला ने बताया कि घटना के संबंध में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप

आगरा। आगरा के थाना छत्ता क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। युवती ने जब युवक से शादी के लिए कहा तो इनकार कर दिया। युवती का पता चला कि युवक पहले से शादीशुदा है। इसके बाद लगातार धमकियों और मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर युवती ने आत्महत्या कर ली। पीड़ित पक्ष द्वारा थाना छत्ता में दी गई तहरीर के अनुसार आलमबाग, लखनऊ निवासी अमन जोशी ने मोबाइल के जरिए युवती से संपर्क किया और धीरे-धीरे प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोपी ने कई बार शादी का आश्वासन देकर युवती से उसकी इच्छा के विरुद्ध अवैध संबंध बनाए। परिजनों का कहना है कि बाद में युवती को पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है। जब युवती ने शादी की बात कही तो आरोपी टालमटोल करने लगा और धमकियां देने लगा। आरोप है कि आरोपी ने खुद को पुलिस के उच्च अधिकारियों से जुड़ा बताते हुए युवती को डराया और कहा कि वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

ललितपुर पुलिस ने चलाया मिशन शक्ति अभियान

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

बनारस लिट-फेस्ट में इंट्री पर हंगामा और मारपीट

वाराणसी। वाराणसी में काशी साहित्य कला उत्सव यानी बनारस लिट फेस्ट के तीसरे दिन हंगामा हुआ। ताज होटल में इंट्री को लेकर लोग भड़क गए। हंगामा की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पहले पुलिस ने लोगों को लाउड हेलर से समझाने का प्रयास किया। लेकिन लोग नहीं समझे। इंट्री के लिए भीड़ बेकाबू हो गई। आक्रोशित लोगों ने गेट पर धक्का मुक्की शुरू कर दी। इंट्री की कोशिश करने लगे। सिपाहियों ने धक्का देकर लोगों को तितर बितर किया और भगदड़ की स्थिति हो गई। दरअसल कार्यक्रम के आयोजकों और प्रायोजकों ने हजारों लोगों को आमंत्रित कर लिया था। जब भीड़ बढ़ी तो गेट बंद करवा दिए। इससे वहां हंगामा हो गया। हंगामा को देखकर पीयूष मिश्रा कार्यक्रम में नहीं पहुंचे हैं। अंदर मंच पर भी अफरा-तफरी का माहौल है। रविवार को पीयूष मिश्रा का कंसर्ट था जिसको लेकर बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने पर पूरा रास्ता और ताज के दोनों गेट चोक हो गए। ओवर क्राउडेड होने पर जब इंट्री बंद की गई तो भीड़ ने भी हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की स्थिति के दौरान कुछ युवक दीवार फांदकर अंदर जाने लगे तो उन्हें भी अंदर जाने से रोक दिया गया। इसी दौरान कार को बाहर निकालने के लिए गेट खुला तो भीड़ बेकाबू हो गई। इसके बाद मौके पर पुलिस कर्मियों और भीड़ में झड़प हो गई। जिसमें एक सब इंसपेक्टर ने कई युवकों को मारकर भगाया। महिलाओं और युवतियों के साथ अभद्रता की। उन्हें हाथ पकड़कर वहां से हटा दिया।

मिशन शक्ति-5 के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

महिला सुरक्षा केंद्र टीम ने महिला कानूनों, साइबर अपराध व बाल विवाह से बचाव की दी जानकारी

पीलीभीत। जनपद में मिशन शक्ति-5 अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में थानों पर नियुक्त महिला सुरक्षा केंद्र टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

जागरूकता अभियान के दौरान छात्राओं को महिला संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई, साथ ही विभिन्न

हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया। टीमों द्वारा साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया तथा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

महिला सुरक्षा केंद्र टीमों ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में वे बिना भय के पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, सतर्क रहने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।यह जागरूकता अभियान थाना सेहरामऊ उत्तरी, थाना सुनगढ़ी, थाना माधोटांडा, थाना हजारा, थाना गजरौला, थाना घुंघचाई, थाना बरखेड़ा, थाना बिलसंडा, थाना दियोरिया कला, महिला थाना एवं थाना करेली क्षेत्रों में चलाया गया।

पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की स्थानीय लोगों और छात्राओं ने सराहना की तथा इसे महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2026 पंचम दिवस

बानपुर ने पाली को 6 विकेट से दी शिकस्त, दानिश बने प्लेयर ऑफ द मैच

ललितपुर । पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के पंचम दिवस पाली खेल मैदान में पाली और बानपुर की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान पर मौजूद रहे। मैच में पाली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन टीम का यह फैसला सही साबित नहीं हो सका। पाली की पूरी टीम 18 ओवर 1 गेंद में मात्र 91 रन

बनाकर ऑलआउट हो गई। पाली की ओर से वेद तिवारी ने सर्वाधिक 44 रनों की पारी खेली, वहीं प्रशांत दुबे ने 18 रन बनाए। इसके अतिरिक्त अन्य बल्लेबाज बानपुर की सधी हुई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सके।बानपुर की ओर से गेंदबाजी में समर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए, जबकि सलमान ने 2 विकेट अपने नाम किए। अन्य गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर पाली के रन गति को नियंत्रित रखा। 92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बानपुर की टीम ने आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाजी की और मात्र 9 ओवर 4 गेंदों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। बानपुर की ओर से संकेत ने मात्र 20 गेंदों में 44 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया। पाली की ओर से गेंदबाजी में कृष्णा ने 1 ओवर 4 गेंदों में 10 रन देकर 2 विकेट लिए, लेकिन अन्य गेंदबाज प्रभावी साबित नहीं हो सके।

बिना हेलमेट 2700 से लोगों का चालान

अयोध्या। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अयोध्या मंडल में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों ने एक माह तक विशेष अभियान चलाकर नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा कसा। जनवरी माह में ही बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 2753 और ओवरस्पीडिंग पर 167 चालान किए गए। अभियान के दौरान 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' कैंपेन, पिलियन राइडर सहित हेलमेट अनिवार्यता, सीट बेल्ट और स्पीड लिमिट के पालन, ड्रंकन ड्राइविंग पर जीरो टॉलरेंस तथा डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए जागरूकता बढ़ाई गई। अयोध्या जिले में ओवरस्पीडिंग के 159 मामलों में 57 चालान कर 0.02 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। गलत दिशा में वाहन चलाने पर 113, मोबाइल फोन के प्रयोग पर 93 और ड्रंकन ड्राइविंग में 52 मामलों में कार्रवाई हुई। बिना हेलमेट 882 चालान किए गए, जबकि सीट बेल्ट न लगाने पर 212 चालानों से 0.37 लाख रुपये वसूले गए। अम्बेडकरनगर में ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा, मोबाइल फोन प्रयोग, बिना हेलमेट और ड्रंकन ड्राइविंग के मामलों में कुल मिलाकर दर्जनों चालान किए गए। अमेठी में बिना हेलमेट के 717 और ड्रंकन ड्राइविंग के 12 मामलों में कार्रवाई हुई।

शार्ट न्यूज

धमाके से सगे भाई समेत 4 बच्चे घायल

कानपुर। कानपुर में धमाके से चार बच्चे झुलस गए।2 बच्चे के चेहरे की पूरी खाल जल गई। घायलों को जिला अस्पताल उर्सला में एडमिट करा गया गया है। बच्चे खेत से घर आ रहे थे। रास्ते में एक पॉलीथीन में उन्हें राख जैसा कुछ मिला, उसे लेकर वह घर आ गए। घर के बाहर बच्चों ने जैसे ही आग जलाकर पॉलीथीन में उसमें डाली, विस्फोट हो गया। चारों बच्चे गंभीर झुलस गए। पुलिस और फोरेंसिक विस्फोट किससे हुआ इसकी जांच में जुटी है। घटना संचेड़ी थाना क्षेत्र का है। डीसीपी वेस्ट एसएम आसिम काबिदी ने बताया कि रविवार दोपहर 1 बजे सचेंडी पुलिस को सूचना मिली कि विस्फोट से चार बच्चे झुलस गए हैं। इन बच्चों का नाम निहाल, करिया, ऋषि और कृष्णा है। इसमें निहाल और करिया सगे भाई हैं। इन सभी की उम्र 7 से 8 साल है। ये सभी बच्चे दोपहर 12 बजे शौंच करने के लिए एक साथ घर से निकले थे। वहां से लौटने के दौरान बच्चों को रास्ते में राख की तरह पॉलीथीन में कोई विस्फोटक मिला। बच्चे उसे उठा लाए। घर के बाहर बच्चों ने आग जलाई और उसमें पॉलीथीन रखी। वैसे ही उसमें विस्फोट हो गया।

अमेठी में हाईवे पर सरिया लदा ट्रैक्टर पलटा

अमेठी जिला। अमेठी में देर शाम सरिया लदा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गया। यह घटना मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सड़क को साफ कराया, जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से बहाल हो गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। यह पूरा मामला मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के टांडा-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मुंशीगंज चौराहे के पास का है। मंगलवार शाम करीब 7: 30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर हाईवे के बीचों-बीच पलट गया। हादसा होते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मुंशीगंज पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से पलटे हुए ट्रैक्टर और सड़क पर बिखरे सरिया को हटाया। इस कार्रवाई के बाद यातायात सामान्य हो सका। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक सुरक्षित बच गया। हालांकि, हाईवे किनारे खड़ी एक कार को मामूली क्षति पहुंची है। पूरे मामले पर जानकारी देते हुए थाना प्रभारी शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि सरिया लदा एक ट्रैक्टर मुंशीगंज चौराहे से लगभग 100 मीटर दूर एचएएल की ओर अनियंत्रित होकर पलट गया था।

पिकअप की टक्कर से सर्राफा व्यापारी की मौत

इटावा। इटावा में इकदिल कस्बा ओवरब्रिज के नीचे रविवार शाम तेज रफ्तार दूध की लोडर पिकअप ने बुलेट बाइक को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में सर्राफा व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने पिता को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम रितौर निवासी 50 वर्षीय विवेक उर्फ छुट्टन तिवारी पुत्र महेश तिवारी की इकदिल कस्बा के स्टेशन रोड पर सर्राफ की दुकान है। रविवार शाम वह अपने 20 वर्षीय पुत्र लालजी तिवारी के साथ दुकान बंद कर बुलेट बाइक से घर लौट रहे थे। ओवरब्रिज के नीचे सब्जी खरीदने के बाद दोनों घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बकेवर की ओर से आई तेज रफ्तार दूध की लोडर पिकअप ने उनकी बुलेट बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पिता पुत्र दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। हादसे की सूचना पर राहगीरों ने पुलिस को जानकारी दी।

महिला अधिवक्ता से टोल कर्मियों की मारपीट

सोनभद्र। सोनभद्र में लोढ़ी टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों द्वारा एक महिला अधिवक्ता और उनके साथ मौजूद लोगों के साथ मारपीट की गई। महिला अधिवक्ता के तीन साथी घायल हो गए। जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी। जिसको लेकर देरी होने को लेकर पूछताछ करने पर टोल कर्मी उग्र हो गए। इसके बाद टोल कर्मी और महिला अधिवक्ता के बीच विवाद हाथापाई में बदल गई। घटना को लेकर जिलेभर के वकीलों में भारी आक्रोश है। मामला रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र का है। रविवार को 4 बजे लोढ़ी टोल प्लाजा पर गाड़ियों की लंबी कतार लगी थी। इस दौरान विवाद ग्रीन सिग्नल होने के बावजूद करीब 10 मिनट से अधिक समय तक हो रही देरी को लेकर शुरू हुआ। महिला अधिवक्ता आरती पांडेय ने देरी का कारण पूछा, जिस पर टोल कर्मियों से उनकी बहस हो गई। देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया।

लखनऊ में रेस्टोरेंट कर्मी ने आत्महत्या की

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव इलाके में रेस्टोरेंट कर्मी ने सुसाइड कर लिया। उसका शव रेस्टोरेंट के हॉल में छत के पंखे से लटकता मिला। पास में मेज पर सुसाइड नोट और मोबाइल मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने सीसीटीवी देखने को लेकर हंगामा किया। 3 घंटे तक थाने पर प्रदर्शन करते रहे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं जाने दिया। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया तो परिजन शांत हुए। शव पोस्टमॉर्टम के लिए गया। घटना गुड बेकर्स रेस्टोरेंट की है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय अंशु कश्यप के रूप में हुई है। वह हरिओम नगर का रहने वाला था। उसने सुसाइड नोट में लिखा- मैं चोर नहीं हूं। अंशु कश्यप गुड बेकर्स में काम करते थे। आज सुबह वह रेस्टोरेंट पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, अंशु आज सुबह रेस्टोरेंट में काम कर रहा था। इसके बाद वह बिना किसी को बताए पहली मंजिल पर बने हॉल में चला गया। काफी देर तक बैठा रहा। जब उसने समझ लिया कि अब यहां कोई नहीं आ रहा है तो कुर्सी पर चढ़कर छत के पंखे से फंदा बांधकर लटक गया।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

अयोध्या। अयोध्या में ट्रेन की चपेट में आकर 32 साल के युवक की मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को युवक के 100 मिलने की सूचना दी। घटना रौनाही थाना क्षेत्र के देवराकोट रेलवे स्टेशन के पास की है। दुर्घटना में युवक का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पा रही है। पुलिस को शव के पास से कोई आधार कार्ड या अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज भी नहीं मिले हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि मृतक की पहचान कराने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। साथ ही आसपास के गांवों में लोगों से संपर्क कर युवक की तस्वीरें साझा की जा रही हैं, ताकि पहचान सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि यदि 72 घंटे के भीतर शव की पहचान नहीं हो पाती है, तो उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला रेलवे दुर्घटना का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल पुलिस टीम सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है।

फॉरेस्ट इंस्पेक्टर बनकर महिला से छेड़खानी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में एक युवक विधवा महिला को वन विभाग का इंस्पेक्टर बनकर फोन कर प्रताड़ित कर रहा था। आरोप है कि फोन पर गाली-गलौज और अश्लील बाते करता था। 29 जनवरी को बच्चों को स्कूल से लाते समय रास्ते में तमंचे के बल पर उसके साथ अश्लील हरकते की। 30 जनवरी को बरेली से दवा लेकर लौटते समय भी रास्ते में उसको रोककर जबरन खींचकर ले जाने की कोशिश की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। थाना तिलहर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पति का निधन हो चुका है। वह क्षेत्र में एक किराये के मकान में रहती है। अजय नाम के युवक ने किसी तरह से उसका मोबाइल नंबर तलाश लिया। 25 जनवरी से आरोपी उसको फोन करके खुद को वन विभाग का इंस्पेक्टर बताकर गंदी गंदी बाते कर अश्लील बाते करना और शादी की करने की जिद करता और नही करने पर जान से मारने की नमकी दे रहा था। 29 जनवरी को वह अपने बच्चो को स्कूल से ला रही थी। तभी अजय नाम का युवक उसको घर के पास मिल गया ।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के गृहमंत्री पर अमेरिका ने लगाया नया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पर प्रतिबंध लगाए। उन पर पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आरोप लगाया गया है, जिनमें तेहरान की धार्मिक नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दी गई थी। ये पाबंदियां दमनकारी कार्रवाई को लेकर उच्च पदस्थ अधिकारियों को निशाना बनाते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा की गई नवीनतम कार्रवाई हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि मोमेनी ने ईरान के उन कानून लागू करने वाले सुरक्षा बलों की निगरानी की है, जो हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। ईरान में आर्थिक संकट के कारण दिसंबर के उत्तरार्द्ध में प्रदर्शन शुरू हुए, जो बाद में इस्लामी गणराज्य के लिए एक चुनौती में बदल गए। इसके बाद दमनकारी कार्रवाई शुरू हुई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस कार्रवाई में 6,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। ईरानी अधिकारी और सरकारी मीडिया बार-बार प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बता रहे हैं। यूरोपीय संघ ने बृहस्पतिवार को मोमेनी के साथ-साथ ईरान की न्यायिक प्रणाली के सदस्यों और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाए। यूरोपीय संघ ने कहा, वे सभी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के हिंसक दमन और राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों की मनमानी गिरफ्तारी में शामिल थे। यूरोपीय संघ ने ईरान के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने पर सहमति जताई है, जो काफी हद तक एक प्रतीकात्मक कदम है तथा तेहरान पर दबाव को और बढ़ायेगा। अमेरिका द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों में राष्ट्रीय सुरक्षा की सर्वोच्च परिषद के सचिव का नाम भी शामिल है, जिन पर अमेरिकी वित्त विभाग ने ईरानी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान करने वाले शुरुआती अधिकारियों में से एक होने का आरोप लगाया है।

अदानी समूह के साथ विवादों को निपटाने के लिए ब्रिटिश फर्म की मदद ले रहा बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने शुक्रवार को बताया कि उसने अदानी पावर लिमिटेड के साथ कोयले की कीमत और बिजली दरों को लेकर चल रहे विवादों में अपने सरकारी बिजली विकास बोर्ड (बीपीडीबी) का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक ब्रिटिश कानूनी फर्म को नियुक्त किया है। बीपीडीबी के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने लंदन स्थित 3वीपी को सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआइएसी) में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया है। किंग्स काउंसिल फरहाज खान के नेतृत्व वाली 3वीपी फर्म कई महीनों से अदानी सौदे पर एक राष्ट्रीय समीक्षा समिति को सलाह दे रही है। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ब्रिटिश फर्म को नियुक्त करने का कदम तब आया जब अदानी पावर ने पिछले साल सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता में मध्यस्थता शुरू की थी।

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस को न्यूजीलैंड की ना, निमंत्रण किया अस्वीकार

बेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बोर्ड आफ पीस में शामिल होने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही अपने बोर्ड आफ पीस की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य गाजा में चल रहे अस्थिर युद्धविराम को मजबूत करना था, लेकिन अब उनका मानना है कि यह बोर्ड अन्य वैश्विक शक्तियों से संबंधित व्यापक भूमिका निभाएगा। उन्होंने दर्जनों अन्य विश्व नेताओं को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि तुर्किये, मिस्त्र, सऊदी अरब और कतर और इंडोनेशिया इस बोर्ड में शामिल हो चुके हैं, लेकिन वैश्विक शक्तियां और अमेरिका के पारंपरिक पश्चिमी सहयोगी अधिक सतर्क रहे हैं। लक्सन ने एक ईमेल में बयान जारी कर कहा कि वर्तमान स्वरूप में बोर्ड आफ पीस में शामिल न होने का निर्णय लिया गया है।

नेपाल ने अपने बलिदानियों को किया याद, हर साल मनाया जाता है शहीद सप्ताह

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सभी राजनीतिक दलों और आम जनता से अपील की कि वे उन शहीदों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए अपने प्रयास समर्पित करें, जिन्होंने नागरिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। नेपाल हर वर्ष स्थानीय विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार माघ 10 से 16 तक शहीद सप्ताह मनाता है और इसका अंतिम दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष शुक्रवार, 30 जनवरी को पड़ा है। इस दिन शहीद शुक्लराज शास्त्री, धर्म भक्त, दशरथ चंद और गंगा लाल के श्रेष्ठ बलिदान को याद किया जाता है। साथ ही उन अन्य शहीदों के योगदान को भी याद किया जाता है।

फर्जी जॉब पोस्टिंग का जाल, फिर महिलाओं को बनाता था शिकार

कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति की शर्मनाक करतूत

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा से एक बेहद चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक पंजाबी व्यक्ति ने नौकरी का झांसा देकर कई महिलाओं को अपना शिकार बनाया। आरोपी फर्जी कंपनी का मालिक या रिक्रूटर बनकर ऑनलाइन वेबसाइट्स पर नौकरी के विज्ञापन डालता था और फिर मिलने के बहाने महिलाओं के साथ जबरदस्ती करता था। कनाडा पुलिस ने इस मामले में 47 साल के तजिंदर धालीवाल को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति खासतौर पर लड़कियों को ही निशाना बनाता था और आसान नौकरी का लालच देकर उन्हें बुलाता था।

ऑनलाइन जॉब विज्ञापन से शुरू होता था खेल : पुलिस के मुताबिक, तजिंदर धालीवाल कनाडा की लोकप्रिय क्लासिफाइड वेबसाइट जैसे प्लेटफॉर्म पर नौकरी के विज्ञापन देता था। इन विज्ञापनों में डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी बताई जाती थी, सिर्फ लड़कियों की मांग होती थी साथ ही किसी तरह की योग्यता या अनुभव नहीं मांगा जाता था। फ्रेशर्स को खास तौर पर टारगेट किया जाता था। इससे लड़कियों को लगता था कि नौकरी आसानी से मिल जाएगी।

सुनसान इंडस्ट्रियल इलाकों में ले जाकर करता था दरिंदगी : कनाडा पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी इंटरव्यू के नाम पर महिलाओं को मिल्टन और हॉल्टन हिल्स जैसे दूर-दराज के इंडस्ट्रियल पार्किंग एरिया में ले जाता था। ये जगहें इतनी सुनसान होती थीं कि आसपास कोई मदद नहीं मिल पाती और चीखने-चिल्लाने पर भी कोई सुनने वाला नहीं होता। पुलिस का कहना है कि तजिंदर जानबूझकर ऐसी जगहें चुनता था, ताकि पीड़ित महिलाएं पूरी तरह असहाय हो जाएं। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब दो महिलाओं ने हॉल्टन रीजनल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पहली पीड़िता की आपबीती : एक लड़की ने बताया कि उसने नौकरी के विज्ञापन पर कॉल किया। तजिंदर ने उसे बुलाया, टैक्सी में बैठाया और फिर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती की।

दूसरी पीड़िता ने बताया डरावना सच : दूसरी लड़की ने बताया कि दिसंबर 2025 में उसने नौकरी के लिए कॉल किया था।

तजिंदर ने उसे जॉब वेबसाइट दिखाने के बहाने टैक्सी में बैठाया, ब्रैम्पटन से कई किलोमीटर दूर एक इंडस्ट्रियल साइट पर ले गया। उसने पहाड़ी और सुनसान इलाके में गाड़ी रोक दी। जब लड़की ने वजह पूछी तो आरोपी ने कहा,मेरे साथ रिलेशन बनाओ, नहीं तो नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद उसने लड़की के साथ जबरदस्ती की।

26 जनवरी को गिरफ्तारी, फोटो जारी : लगातार जांच और सबूत जुटाने के बाद 26 जनवरी 2026 को ब्रैम्पटन पुलिस ने तजिंदर धालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। उस पर रेप, नौकरी के बदले यौन सेवा मांगने और महिलाओं को धोखे से फंसाने जैसी गंभीर धाराएं लगाई गईं। पुलिस ने आरोपी की तस्वीर भी सार्वजनिक की, ताकि अगर कोई और पीड़िता उसके जाल में फंसी हो तो वह आगे आकर शिकायत दर्ज करा सके।

24 घंटे में जमानत, लोगों में गुस्सा : पुलिस के मुताबिक, कनाडा में रेप से जुड़े कानून अपेक्षाकृत नरम हैं। इसी कारण 27 जनवरी को कोर्ट में पेशी के बाद सिर्फ 24 घंटे में आरोपी को जमानत मिल गई। इस फैसले से कनाडा की स्थानीय और प्रवासी कम्युनिटी में भारी नाराजगी है।

कम्युनिटी की मांग ङ्क सख्त कानून हों : स्थानीय लोगों का कहना है– रेप एक बेहद गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में जमानत आसानी से नहीं मिलनी चाहिए और प्रवासियों से जुड़े अपराधों पर कड़े नियम बनाए जाने चाहिए। लोगों का मानना है कि अगर सख्ती नहीं होगी, तो ऐसे अपराधी कानून का फायदा उठाकर बार-बार बच निकलेंगे।

यूएन प्रमुख गुटेरस का बड़ा बयान; भारत- ईयू समझौते का दिया हवाला

जिनेवा , एजेंसी। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच हुए व्यापार समझौते का हवाला देते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने बहुध्रुवीय व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि दुनिया एक या दो शक्तियों से नहीं चलेगी। उन्होंने अमेरिका और चीन का परोक्ष संदर्भ देते हुए यह बात कही। गुटेरस ने कहा कि हालिया भारत-ईयू व्यापार समझौते से बहुत सकारात्मक उम्मीदें हैं और यह वैश्विक बहुध्रुवीयता में योगदान दे सकता है।यूएन महासचिव गुटेरस ने 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए यहां गुरुवार को पत्रकारों से कहा, वर्तमान समय में यह स्पष्ट है कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका है। हमारा और कई लोगों का भी भविष्य के संदर्भ में विचार है कि दो ध्रुव हैं- एक अमेरिका केंद्रित और एक चीन केंद्रित। उन्होंने कहा, अगर हम एक स्थिर दुनिया चाहते हैं और अगर हम ऐसी दुनिया चाहते हैं, जिसमें शांति कायम रह सके, जिसमें व्यापक विकास हो सके और जिसमें अंतत हमारे मूल्य कायम रहें तो हमें बहुध्रुवीयता का समर्थन करने की जरूरत है। यूएन प्रमुख अमेरिका और चीन का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा, वैश्विक समस्याओं का समाधान एक ही ताकत का हुकुम चलने से नहीं होगा। न ही उनका समाधान दो शक्तियों द्वारा दुनिया को प्रतिद्वंद्वी प्रभाव क्षेत्रों में बांटने से होगा।

अंतरराष्ट्रीय कानून के खुलेआम उल्लंघन जता चुके हैं चिंता : बता दें कि गुटेरस ने कुछ दिन पहले भी अंतरराष्ट्रीय कानून के खुलेआम उल्लंघन पर चिंता जताई थी। उन्होंने 15 जनवरी को 193 सदस्यीय महासभा में कुछ देशों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून का खुले तौर पर उल्लंघन किए जाने की निंदा की थी और कहा था कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। उनका यह बयान वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले और अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में आया था। गुटेरस का यूएन महासचिव के रूप में यह दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर, 2026 को समाप्त होगा।

जेल से छूटते ही प्रिंस एंड्रयू ने एपस्टीन को बकिंघम पैलेस में किया गया था आमंत्रित

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य प्रिंस एंड्रयू और दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के रिश्तों को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी किए गए नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि एंड्रयू ने साल 2010 में एपस्टीन को नजरबंदी से रिहा होने के तुरंत बाद बकिंघम पैलेस में आमंत्रित किया था। ईमेल्स के जरिए सामने आई इस बातचीत में पता चला है कि राजा चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने एपस्टीन को महल में एकांत और निजी समय बिताने का प्रस्ताव दिया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार शुक्रवार लाखों नए पन्नों का दस्तावेज सार्वजनिक किया। जिसमें मध्य लंदन स्थित शाही निवास (बकिंघम पैलेस) का कथित निमंत्रण का खुलासा हुआ है। एपस्टीन को नजरबंदी से रिहा होने के तुरंत बाद बकिंघम पैलेस में आमंत्रित किया था। एक संदेश के अनुसार, एपस्टीन ने 27 सितंबर, 2010 को लंदन में प्रवास के दौरान एंड्रयू से संपर्क किया और लिखा, आप मुझे किस समय चाहेंगे... हमें कुछ निजी समय भी चाहिए होगा। एंड्रयू ने जवाब दिया कि वह अभी स्कॉटलैंड छोड़ रहे हैं और आगे कहा, हम बकिंघम पैलेस में डिनर कर सकते हैं और काफी एकांत का आनंद ले सकते हैं। इसके ठीक दो दिन बाद एंड्रयू ने फिर से ईमेल भेजा। उन्होंने लिखा, आपका बकिंघम पैलेस आना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। आप जिसके साथ भी आएं, मैं शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक यहां मुफ्त में मौजूद रहूंगा। लंदन स्थित जिस शाही निवास एपस्टीन को आमंत्रित किया गया, वह उस समय दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का लंदन स्थित आधिकारिक निवास था। हालांकि, दस्तावेजों से यह स्पष्ट नहीं है कि महल में कभी कोई रात्रिभोज आयोजित हुआ था।

'रशियन लड़कियों' से संबंध से बिल गेट्स को हुआ था यौन रोग? एपस्टीन फ़ाइलें में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार बिल गेट्स एक बार फिरजेफरी एपस्टीन मामले की वजह से सुर्खियों में हैं। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए नए दस्तावेजों ने माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक पर ऐसे आरोप लगाए हैं जो न केवल सनसनीखेज हैं, बल्कि उनकी निजी छवि पर भी गहरे सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, ये तमाम दावे अभी तक सिर्फ कागजों तक सीमित हैं और इनके पीछे कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया है।

मेलिंडा गेट्स का जिक्रः सबसे गंभीर आरोप यह है कि गेट्स कथित तौर पर एंटीबायोटिक्स की तलाश में थे ताकि वे अपनी तत्कालीन पत्नी मेलिंडा को भी अनजाने में दवा दे सकें। सबूत मिटाने की कोशिशः एपस्टीन ने यह भी लिखा कि गेट्स ने उससे इस मामले से संबंधित पुराने संवाद हटाने का अनुरोध किया था। गेट्स खेमे का पलटवारः यह सिर्फ एक कुंठित अपराधी की खुन्नस है बिल गेट्स के प्रतिनिधियों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे चरित्र हनन का प्रयास बताया है। प्रवक्ता के अनुसार, ये दस्तावेज सिर्फ यह साबित करते हैं कि जब गेट्स ने एपस्टीन से दूरी बना ली थी, तो वह बौखला गया था। एपस्टीन अपनी नाराजगी निकालने और गेट्स को बदनाम करने के लिए मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहा था।

न्याय विभाग की सफाई और पुरानी तस्वीरों का साया : अमेरिकी प्रशासन ने अब तक एपस्टीन मामले से जुड़ी करीब 30 लाख फाइलों और लाखों तस्वीरों को जनता के सामने रखा है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी फाइल में नाम होने का मतलब यह कतई नहीं है कि वह व्यक्ति अपराधी है। इन दस्तावेजों के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें एपस्टीन एक साथ नजर आ रहे हैं। गेट्स पहले भी कई बार सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर चुके हैं कि एपस्टीन से मिलना उनकी एक बड़ी भूल थी और उन्हें इसका गहरा पछतावा है।

मेलिंडा गेट्स और तलाक का वो अनकहा सच : गौरतलब है कि बिल और मेलिंडा गेट्स का 27 साल पुराना रिश्ता 2021 में टूट गया था। उस वक्त मेलिंडा ने संकेत दिया था कि एपस्टीन के साथ बिल की बढ़ती नजदीकी और कुछ निजी कारण इस अलगाव की बड़ी वजह थे। हालांकि, उन्होंने कभी भी इन स्त्रष्ठ या रूसी महिलाओं जैसे आरोपों का खुलकर जिक्र नहीं किया।

बेरहम मां! 10 माह के मासूम पर सैंकड़ों बार सुई से हमला

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी चीन से सामने आई एक घटना ने इंसानियत को झकझोर दिया है। महज 10 महीने के एक बच्चे के शरीर पर सैकड़ों बार सुई चुभोने का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया कि यह क्रूरता किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि बच्चे की अपनी मां ने की थी। हॉन्गकॉन्ग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके शरीर पर सुई चुभने के असंख्य निशान पाए। मामला युन्नान प्रांत के एक काउंटी अस्पताल का है, जहां बच्चे को तेज बुखार और झटकों की शिकायत के साथ लाया गया था।

इलाज के नाम पर अमानवीय तरीका : डॉक्टरों की शुरुआती जांच में सामने आया कि बच्चे के सिर, गर्दन, धड़ और पैरों पर काले पपड़ी जैसे घाव थे। आगे की पड़ताल में यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि बच्चे की मां कथित तौर पर घरेलू इलाज और सजा के तौर पर उसके शरीर में सुई चुभोती थी। अनुमान है कि यह हरकत 500 से 600 बार दोहराई गई। हालात तब और गंभीर हो गए जब जूते सिलने में इस्तेमाल होने वाली एक सुई बच्चे की गर्दन में टूटकर रीढ़ के पास फंस गई। इसके बाद डॉक्टरों को जटिल सर्जरी करनी पड़ी।

डॉक्टरों के लिए भी चुनौती : शिन्हुआ अस्पताल के वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. सुई वेनयुआन ने बताया कि सर्जरी बेहद जोखिम भरी थी। सुई की बनावट और स्थिति स्पष्ट न होने के कारण जरा-सी चूक से बच्चे की नसों और आसपास के ऊतकों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था। सभी जरूरी जांचों के बाद ऑपरेशन किया गया, जो सफल रहा। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे को जो तेज बुखार था, उसकी एक वजह शरीर में फंसी जंग लगी सुई भी हो सकती है। सर्जरी के कुछ दिनों बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और उसे आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया गया।

सरकारी जांच में मां पर आरोप तय : 21 जनवरी को चीन की विभिन्न सरकारी एजेंसियों- पब्लिक सिक्योरिटी ब्यूरो, स्वास्थ्य आयोग और महिला महासंघ- की संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि बच्चे को चोटें उसकी मां ने ही दी थीं। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि मां कम शिक्षित है और उसने बिना वैज्ञानिक समझ के यह तरीका अपनाया। उसमें मानसिक तनाव और चिंता के लक्षण भी पाए गए। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस मामले में महिला के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किस स्तर तक पहुंची है।

सोशल मीडिया पर आक्रोश : घटना सामने आते ही चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गुस्सा फूट पड़ा। कई यूजर्स ने इसे भयावह और अमानवीय बताया, वहीं कुछ ने मांग की कि बच्चे को उसके माता-पिता से अलग सुरक्षित माहौल में रखा जाए।

शादी करो, ?12.5 लाख पाओ! बच्चा होने पर इनाम होगा डबल, यूएई के अरबपति बॉस का बड़ा ऐलान

अबुधावी , एजेंसी। यूएई के कॉर्पोरेट जगत से एक ऐसी खबर आई है जो किसी फिल्मी स्टोरी जैसी सुनहरी लगती है, जहां एक कर्मचारी की निजी खुशियों को कंपनी अपनी जिम्मेदारी मानकर जश्न मना रही है। कल्पना कीजिए कि आप ऑफिस में काम कर रहे हैं और आपकी शादी के तोहफे के तौर पर कंपनी की तरफ से आपके बैंक खाते में सीधे 12.5 लाख रुपये (50,000 दिरहम) आ जाएं। संयुक्त अरब अमीरात के दिग्गज कारोबारी समूह अल हब्तूर ग्रुप ने अपने अमीराती कर्मचारियों के लिए इस हकीकत को जमीन पर उतार दिया है। इस अनूठी पहल के सूत्रधार हैं अरबपति उद्योगपति खलाफ अल हब्तूर, जिन्होंने समाज की बुनियादी इकाई यानी परिवार को मजबूत करने के लिए अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। उनका विजन सिर्फ आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि वह इसे राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया मानते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई युवा कर्मचारी शादी के बंधन में बंधता है, तो उसे 50,000 दिरहम का शुरुआती सहयोग दिया जाएगा। उत्साह बढ़ाने वाली बात यह है कि यदि अगले दो वर्षों के भीतर उस कर्मचारी के घर संतान का सुख मिलता है, तो कंपनी की ओर से मिलने वाली यह वित्तीय सहायता दोगुनी होकर सीधा लाभ पहुंचाएगी। खलाफ अल हब्तूर ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी इस सोच को दुनिया के सामने रखते हुए कहा कि विवाह और संतानोत्पत्ति केवल किसी व्यक्ति का निजी चुनाव नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ और मजबूत समाज की नींव है। उनका मानना है कि वर्तमान दौर की महंगाई और करियर की भागदौड़ में अक्सर युवा परिवार शुरू करने से कतराते हैं, ऐसे में एक नियोक्ता के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे इस राह को आसान बनाएं। 1970 में स्थापित अल हब्तूर ग्रुप, जो आज होटल से लेकर रियल एस्टेट तक के बड़े साम्राज्यों का मालिक है, अब अपनी इस मानवीय पहल के जरिए अमीरात के युवाओं को एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर भविष्य का भरोसा दे रहा है। यह कदम न केवल कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता दिखाता है, बल्कि अन्य कंपनियों के लिए भी एक मिसाल पेश करता है कि कैसे व्यापारिक लाभ से परे जाकर सामाजिक स्थिरता में निवेश किया जा सकता है।

पनामा नहर पर दबदबे के चीन के मंसूबों को झटका, कंपनी को बंदरगाह संचालन की छूट खतरे में

पनामा सिटी एजेंसी। पनामा के सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सुनाए गए एक फैसले से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पनामा नहर पर वर्चस्व कायम करने के चीनी मंसूबों को झटका लगा है। पनामा के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार देर रात अपने एक फैसले में पनामा नहर के दोनों छोरों पर बंदरगाह के संचालन के लिए हांगकांग की कंपनी को दी गई छूट को असांविधानिक बताया। इससे रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग पर चीनी प्रभाव को रोकने की अमेरिकी कोशिश को बल मिलेगा।

चीनी कंपनी ने फैसले पर जताई नाराजगी : पनामा के सुप्रीम कोर्ट के बयान में इस बारे में कोई दिशा-निर्देश नहीं दिया गया है कि अब बंदरगाहों का क्या होगा। सीके हचिसन की सहयोगी चीनी कंपनी पनामा पोर्ट्स कंपनी ने कहा कि उसे अभी तक इस फैसले के बारे में सूचित नहीं किया गया है। हालांकि, उसने जोर देकर कहा कि उसकी रियायत पारदर्शी अंतरराष्ट्रीय बोली का नतीजा थी। कंपनी ने बयान में कहा कि यह फैसला कानून पर आधारित नहीं है। यह न केवल पीपीसी और उसके अनुबंध को खतरे में डालता है बल्कि उन हजारों पनामानियाई परिवारों की भलाई और स्थिरता को भी खतरे में डालता है जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से बंदरगाह की गतिविधि पर निर्भर हैं। कंपनी ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा, यह फैसला देश में कानून के शासन और कानूनी निश्चितता को भी खतरे में डालता है। कंपनी ने कहा कि वह पनामा या कहीं और कानूनी कार्रवाई करने के सभी अधिकार सुरक्षित रखती है।

ऑडिट के बाद आया फैसला : कोर्ट का यह फैसला पनामा के कंट्रोलर की तरफ से किए गए ऑडिट के बाद आया। इसमें 2021 में दी गई छूट के 25 साल के विस्तार में गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था। पनामा नहर पर चीन के प्रभाव को रोकना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शुमार है। अमेरिकी विदेश मंत्री के तौर पर मार्को रूबियो अपनी पहली यात्रा पर पनामा पहुंचे थे। पनामा सरकार के संचालन में चीन के दखल न होने की बात पर रूबियो ने साफ कर दिया था कि अमेरिका इन बंदरगाहों के संचालन को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला मानता है। पनामा नहर क्यों है अहम, जिस पर कब्जे से घबराया अमेरिका पनामा नहर वैश्विक भू-राजनीति में अहम मानी जाती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। पूरी दुनिया का छह फीसदी समुद्री व्यापार पनामा नहर से ही होता है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए भी पनामा नहर बेहद अहम है क्योंकि अभी न्यूयॉर्क से सैन फ्रांसिस्को जाने वाले मालवाहक जहाजों को पनामा नहर के जरिए दूरी 8370 किलोमीटर पड़ती है, लेकिन अगर पनामा नहर की बजाय पुराने मार्ग से माल भेजा जाए तो जहाजों को पूरे दक्षिण अमेरिकी देशों का चक्कर लगाने के बाद सैन फ्रांसिस्को जाना होगा और ये दूरी 22 हजार किलोमीटर से ज्यादा होगी। अमेरिका का 14 फीसदी व्यापार पनामा नहर के जरिए ही होता है। कह सकते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ही पनामा नहर लाइफलाइन का काम करती है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। खुद पनामा की अर्थव्यवस्था इस नहर पर निर्भर है और पनामा की सरकार को पनामा के प्रबंधन से ही हर साल अरबों डॉलर की कमाई होती है। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने का खतरा है। पनामा नहर का निर्माण साल 1881 में फ्रांस ने शुरू किया था, लेकिन इसे साल 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर के निर्माण को पूरा किया गया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण रहा, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा की सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी द्वारा किया जाता है। पनामा नहर को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है और इसे आधुनिक दुनिया के इंजीनियरिंग के सात अजूबों में से एक माना जाता है। पनामा नहर को लेकर पर्दे के पीछे चीन और अमेरिका के बीच तनातनी चल रही है। इसे लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ रहा है। चीन अपनी बढ़ती आर्थिक ताकत के जरिए पूरी दुनिया के जलमार्गों पर अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा है।

बजट में खेलों पर भी जोर , 'खेलो इंडिया मिशन' होगा शुरु

प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के रविवार को पेश किये गये आम बजट में खेलों पर भी काफी जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का लक्ष्य अगले 10 साल में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास कर नई प्रतिभाओं को सामने लाना रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में और भी बदलाव आयें।

सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा कोचों और सहायक स्टाफ का भी व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इसमे खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने आने के लिए बेहतर मंच और संसाधन मिलेगा।

कम कीमतों में उच्च गुणवत्ता के खेल सामान निर्माण की दिशा में भी सरकार काम करने जा रही है। इससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने पर जोर दिया है।

भारत की देविका ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। देविका को इस टूर्नामेंट के महिला एकल के खिताबी मुकाबले में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद आसानी से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब हासिल को गया। देविका तब मैच में 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी तभी मलेशिया की वेई हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हट गयीं। इससे देविका को अपने करियर का एक बड़ा खिताब मिल गया। दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही वेई ने इससे पहले के मैच में भी थकान की शिकायत की थी। देविका ने फाइनल में तेज शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। वहीं एक नेट कॉर्ड की बदौलत वेई ने अपना पहला अंक हासिल किया।वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर बरकार 20 साल की देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही हैं। वह पिछले कुछ समय से ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से भी खेल की टिप्स ले रहीं थीं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 : भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने किया चित, 58 रनों से जीता मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करते हुए 58 रनों से हरा दिया है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वेदांत त्रिवेदी के अर्धशतक की बदलौत एक गेंदें शेष रहते सभी 10 विकेट के नुकसान पर पाकिस्तान को 253 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पाकिस्तान 194 रनों पर ढेर हो गई। त्रिवेदी ने 98 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन बनाए जिससे भारत 250 का आंकड़ा पार कर पाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंदों पर मात्र 30 रन ही बना पाए जबकि ओपनर ऑरोन जॉर्ज ने भी 16 रन की छोटी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल सके।

प्लेइंग 11

भारत अंडर-19 : एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन

पाकिस्तान अंडर-19 : हमजा जहूर (विकेटकीपर), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, फरहान यूसुफ (कप्तान), हुजैफा अहसन, अली हसन बलूच, अब्दुल सुभान, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, अली रजा

वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है

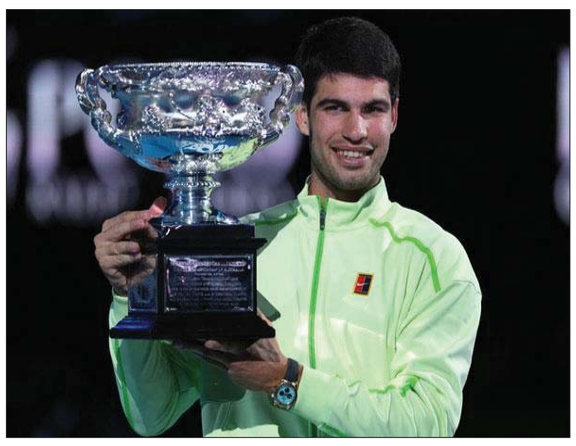

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और अपना सातवां बड़ा खिताब जीता।

वर्ल्ड नंबर 1 ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच को एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल (2-6 6-2 6-3 7-5) में हराकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अल्काराज ने फाइनल तीन घंटे और दो मिनट में जीता। ATP के अनुसार अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी भी बन गए हैं। गौरतलब है कि यह अल्काराज का ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू के बाद पहला मेलबर्न फाइनल भी था।

ATP के अनुसार 21वीं सदी में केवल चार खिलाड़ियों ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया है। जोकोविच ने 2016 में ऐसा किया था, उसके बाद राफेल नडाल (2010) और रोजर फेडरर (2009) का नंबर आता है। इसके साथ ही 22 वर्षीय अल्काराज ने दिग्गजों के बीच अपनी जगह पक्की कर ली है। पुरुषों में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज (22 साल और 272 दिन) रॉड लेवर (24 साल और 32 दिन), राफेल नडाल (24 साल और 102 दिन), रोजर फेडरर (27 साल और 303 दिन), नोवाक जोकोविच (29 साल और 15 दिन) और आंद्रे अगासी (29 साल और 68 दिन) हैं।

ATP के अनुसार लेवर ने 1962 में एक शौकिया खिलाड़ी के तौर पर और 1969 में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। वर्ल्ड नंबर 1 ओपन एरा में सात बड़े सिंगल्स टाइटल जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं, जो ब्योर्न बोर्ग से आगे हैं, जिन्होंने 1979 में रोलैंड गैरोस में सातवां बड़ा टाइटल जीता था। 2022 में अल्काराज ने US ओपन में अपना पहला बड़ा टाइटल जीता और इस जीत के साथ वह PIF ATP रैंकिंग (1973 से) में सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने 2023 में अपनी पहली विंबलडन ट्रॉफी जीती और 2024 ग्रैंड स्लैम इवेंट में अपने टाइटल का बचाव किया। रोलैंड गैरोस में अल्काराज 2024 और 2025 में विजयी रहे।

अर्शदीप टी20 में सबसे अधिक रन देकर पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम । युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने पांचवे और अंतिम टी20 में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा दिया।

इसी के साथ ही भारतीय टीम ने ये सीरीज 4-1 से जीती पर मैच में पांच विकेट लेने के बाद भी अर्शदीप के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। अर्शदीप इसी के साथ ही किसी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में सबसे ज्यादा रन देकर 5 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ के नाम दर्ज था। जोसेफ ने जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2023 में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एंगिडी ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल में 39 रन देकर 5 विकेट लिए थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही अर्शदीप ने 76 मैचों में 118 विकेट लिए हैं। यह पहला मौका था, जब अर्शदीप ने एक पारी में 5 विकेट लिए।

बुमराह ने अपने टी20 करियर का सबसे महंगा ओवर किया

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 में असफल रहे। बुमराह इस मैच में सबसे महंगे साबित हुए। वह 58 रन देने के बाद भी कोई विकेट नहीं ले पाये। ये पहली बार रहा जब बुमराह ने किसी मैच में इतने अधिक रन दिये। इससे पहले का उनका सबसे महंगे मैच 2021 का आईपीएल रहा था। तब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चार ओवर में 56 रन देकर केवल एक विकेट लिया था। बुमराह ने इस अंतिम मैच में अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना सबसे महंगा ओवर भी किया। इसमें बुमराह ने 22 रन दिये। वहीं इससे पहले बुमराह का सबसे महंगा ओवर साल 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, तब उन्होंने एक ही ओवर में 21 रन दिए थे। बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज भी काफी महंगे रहे। अर्शदीप सिंह ने 51 रन दिये हालांकि उन्होंने पांच विकेट लिए। हार्दिक पांड्या ने 15 रन, वरुण चक्रवर्ती ने एक विकेट लेकर 36 रन वह अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर 33 रन दिये। बुमराह और अर्शदीप के इस प्रकार के महंगे ओवरों से टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। भारत ही नहीं यहां अंतिम मैच में कीवी गेंदबाजों की भी जमकर कुटाई हुई। कीवी गेंदबाज जेकब डफी, काइल जेमिसन और मिचेल सैंटनर ने 50 रनों से अधिक दिये। सैंटनर के ओवर में 60 रन बने।

वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

बुलावायो । भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। अब उनके यूथ एकदिवसीय में 1150 रन हो गये हैं। इस मैच के दौरान जैसे ही वैभव ने अपने 11 रन पूरे किए। वह भारत के लिए यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हो गये हैं। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 22 गेंदों का सामना करते हुए कुल 30 रन बनाए जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था। अब वैभव की नजरें यूथ एकदिवसीय में सबसे रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर टिक गई हैं। वह जल्द ही विजय जोल के 1404 रन और यशस्वी जयसवाल के 1386 रन के रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं।यूथ एकदिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज तन्मय श्रीवास्तव हैं उनके नाम 1316 रन हैं।

भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम: सेंटनर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम कप्तान मिचेल सेंटनर ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम है क्योंकि वह बखूबी जानती है कि अपने मैदानों में किस प्रकार खेलना है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने कीवी टीम बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी टिक नहीं पायी। भारतीय टीम सीरीज में केवल एक ही मैच में हारी थी। पहले तीन मैच जीतने के बाद भारतीय टीम को चौथे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने अंतिम मैच में 46 रनों की जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए सेंटनर की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं क्योंकि अब उसे 7 फरवरी से होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम से उसी की धरती पर खेलना है। विश्वकप संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

सेंटनर ने कहा, पूरी सीरीज को देखें तो हमें काफी सकारात्मक बातें भी सीखने को मिलीं। मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भारतीय टीम काफी अच्छी है। उसे इन हालातों में हराना बहुत कठिन है। ये सीरीज कुल मिलाकर मनोरंजक रही। साथ ही कहा कि जब आपको पूरी सीरीज में चुनौती मिलती है तो यह हमेशा अच्छी बात होती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है और उससे आप उससे सीखते हैं। परिणाम भले ही हमारे पक्ष में भले ही नहीं रहे पर हमें हर एक मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिला। अब न्यूजीलैंड टीम आठ फरवरी से टी20 विश्वकप में उतरेगी। कीवी टीम इसमें ग्रुप डी में शामिल है, जिसमें अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और यूएई हैं। न्यूजीलैंड को अपने मैच भारतीय धरती पर खेलने हैं। वहीं सेंटनर ने कहा कि विश्वकप को लेकर उन्हें काफी सुधार करने होंगे। गेंदबाजी में हमें विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के तरीके तलाशने होंगे।

अंडर-19 विश्वकप में भी भारत-पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने आज यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर 6 ग्रुप 2 मैच में हाथ नहीं मिलाया। टॉस के बाद भारतीय अंडर-19 कप्तानी आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ हाथ मिलाये बिना ही वापस हो गये। इस प्रकार एशेया कप में जिस प्रकार भारतीय सीनियर टीम ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। वही सिलसिला इस मैच में भी बरकरार रहा। भारतीय सीनियर टी10 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साल 2025 एशिया कप के दौरान अपने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था, तब से ही भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैचों में टॉस के दौरान हाथ न मिलने का सिलसिला जारी है। भारत ए टीम के कप्तान ने भी एशिया कप। इससे के अलावा महिला विश्वकप में भी भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तपान से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय टीम के पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाने का कारण पाक का पहलगाम आतंकी हमले में शामिल होना रहा है। इसके बाद भारतीय सेना ने पाक में आतंकी ठिकानों को धवस्त कर दिया था।

ईशान को अंतिम टी20 में विकेटकीपर बनाने का कारण सूर्यकुमार ने बताया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में ईशान किशन के विकेटकीपिंग किये जाने के कारणों का खुलासा किया है। सूर्या ने खुलासा किया कि सीरीज शुरू होने से पहले ही तय हो गया ता कि संजू पहले तीन मैच में विकेट कीपिंग करेंगे, वहीं आखिरी दो मुकाबलों में ईशान किशन को मौका मिलेगा। सूर्या ने कहा, तिलक वर्मा के नहीं होने की वजह से संजू सैमसन और ईशान दोनो को ही शामिल किया गया था। हमने सीरीज से पहले ही तय कर लिया था कि संजू तीन मैचों में विकेटकीपिंग करेंगे और ईशान अंतिम दो मैचों में ये जिम्मेदारी संभालेंगे। ईशान फिट नहीं होने के कारण पिछले मैच से बाहर थे। ईशान की शतकीय पारी के लिए भी सूर्या ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम उनके कौशल के बारे में पहले से ही जानती थी। भारतीय कप्तान ने कहा, ऊहम हमेशा जानते थे कि वह क्या कर सकते हैं और हमने इस सीरीज से पहले घरेलू क्रिकेट में उनकी बल्लेबाजी देखी थी। हम चाहते थे कि वह उसी तरह बल्लेबाज करें और अपनी पहचान न बदलें। वह घरेलू क्रिकेट में पारी शुरुकर रहे थे, और यहां वह नंबर तीन पर बल्लेबाज कर रहे थे। हम चाहते थे कि वह गेम-चेंजर बनें, उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमें बेहद खुशी हुई है 'ईशान को टीम में जगह तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण मिली थी और उन्होंने अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शतक बनाया। ऐसे में माना जा रहा है कि तिलक की टीम में वापसी होते ही सैमसन को बाहर होना पड़ेगा क्योंकि कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों में सैमसन बूरी तरह से असफल रहे थे।

ईशान किशन बनाम संजू सैमसन : ओपनिंग स्लॉट पर कब होगा फैसला, सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम में ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही बहस अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया है कि ईशान किशन और संजू सैमसन में से कौन ङ्20 वर्ल्ड कप 2026 में ओपनिंग करेगा, इसका अंतिम फैसला 7 फरवरी को लिया जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीत के बाद स्थ्यङ्क ने टीम कॉम्बिनेशन, बल्लेबाजी अप्रोच और घरेलू वर्ल्ड कप के दबाव को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी।

ओपनिंग स्लॉट पर सस्पेंस बरकरार

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद ब्रॉडकास्टर से बातचीत में सूर्यकुमार यादव ने माना कि ओपनर को लेकर चयन की दुविधा अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईशान किशन और संजू सैमसन दोनों ही प्लेइंग XI के मजबूत दावेदार हैं और इस मुद्दे पर स्पष्टता 7 फरवरी को सामने आएगी। कप्तान के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट हर पहलू पर विचार कर रही है।

तिलक वर्मा की वापसी से बढ़ी मुश्किल

SKY ने यह भी बताया कि तिलक वर्मा की फिटनेस और फॉर्म चयन प्रक्रिया को और चुनौतीपूर्ण बना रही है। उनके अनुसार, तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में स्क्वाड के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं, जिससे सिलेक्शन कॉल और भी मुश्किल हो गया है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत का रणनीतिक प्लान

सूर्यकुमार यादव ने भारत की संभावित रणनीति पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा टी20 क्रिकेट में आक्रामक टॉप ऑर्डर बेहद जरूरी है। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। कप्तान के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मिलकर 16 ओवर डाल सकते हैं, जिससे बल्लेबाजी को गहराई देने का मौका मिलता है।

ऑलराउंडर्स से मिल रही है फ्लेक्सिबिलिटी

SKY ने बताया कि हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और जरूरत पड़ने पर अभिषेक शर्मा गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प देते हैं। इससे टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत कॉम्बिनेशन बना सकती है, जो वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम साबित हो सकता है।

घरेलू वर्ल्ड कप का दबाव और उत्साह

भारत में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सूर्यकुमार यादव ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में खेलना दबाव जरूर लाता है, लेकिन यही दबाव खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने माना कि लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतना ऐतिहासिक चुनौती है, लेकिन इसे वह सकारात्मक दबाव और बड़ी जिम्मेदारी के तौर पर देख रहे हैं।

निडर बल्लेबाजी से कप्तान खुश

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की सीरीज जीत के बाद कप्तान ने भारतीय बल्लेबाजों की निडर सोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अप्रोच पर टिके रहने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'पहली गेंद पर छक्का भी सही फैसला हो सकता है'

SKY के मुताबिक, टी20 क्रिकेट में हालात के हिसाब से फैसले लेने जरूरी हैं। अगर पिच और कंडीशन इजाजत देती है, तो पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने में कोई बुराई नहीं है। कप्तान का मानना है कि खिलाड़ियों का यह बेखौफ रवैया उनकी कप्तानी को आसान बनाता है।

पांड्या डेथ ओवरों में 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। ऑलराउडर हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 17 गेंदों पर ही 42 रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस पारी में पांड्या का स्ट्राइक रेट 247.06 का रहा। इससे वह अन्य खिलाड़ियों से अलग नजर आये। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी इस आक्रामक पारी से पांड्या ने अंतिम ओवरों (डेथ ओवरों) में 1000 रन बनाने का एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या के नाम अब अंतिम ओवरों में 1030 रन हो गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के नाम अंतिम ओवरों में 986 रन हो गये हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि अफगानिस्तान के मो नबी 973 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। पांड्या जब बल्लेबाजी के लिए आये थे। तब भारतीय टीम ने 14.3 ओवर में 3 विकेट पर 185 रन बनाये थे। वहीं इसेक बाद पांड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 20 ओवर में 271 रन तक पहुंचा दिया जिससे कीवी टीम पर दबाव आया और वह 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 225 रनों पर ही सिमट गयी।

रॉयल एनफील्ड की दिसंबर की बिक्री में आया उछाल

नई दिल्ली ।

रॉयल एनफील्ड कंपनी फिलहाल भारतीय बाजार में 350सीसी से 650सीसी सेगमेंट तक कुल नौ मॉडल बेचती है और खास बात यह है कि लगभग सभी अपने-अपने सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं। रॉयल एनफील्ड ने दिसंबर 2025 में एक बार फिर अपने सबसे लोकप्रिय मॉडल क्लासिक 350 की बदौलत मजबूत सेल्स दर्ज कीं।

इन सबमें क्लासिक 350 कंपनी के लिए 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' साबित हो रही है। दिसंबर में इसकी सबसे ज्यादा 34,958 यूनिटें बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 5,321 यूनिट अधिक हैं। इस मॉडल ने सालाना आधार पर 17.95फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की और 37.52फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। बुलेट 350 भी बिक्री में तेजी से आगे बढ़ी। दिसंबर 2025 में इसकी 24,849 यूनिटें बिकीं, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 76.87फीसदी की ग्रोथ है। वहीं हंटर 350 ने 20,654 यूनिटों की बिक्री के साथ 50.28फीसदी की तेजी दर्ज की। मीटिओर 350 की बिक्री भी 10,097 यूनिट के साथ 58.61फीसदी बढ़ी। हालांकि हिमालयन, 650 ट्विन, गुरिल्ला और शॉटगन जैसे मॉडल इस बार पिछड़ गए। इनमें हिमालयन की 23.81फीसदी, 650 ट्विन की 48.91फीसदी, गुरिल्ला की 49.88फीसदी और शॉटगन की 42.62फीसदी की सालाना गिरावट रही। फिर भी कंपनी की कुल बिक्री बहुत मजबूत रही।

दिसंबर 2025 में रॉयल एनफील्ड ने कुल 93,177 यूनिटें बेचीं, जो दिसंबर 2024 के 67,891 यूनिट के मुकाबले 25,286 यूनिट ज्यादा हैं। यानी कंपनी ने सालाना आधार पर 37.24 फीसदी की दमदार ग्रोथ हासिल की। क्लासिक, बुलेट और हंटर ने लगातार तीसरी बार शीर्ष तीन पोजीशन पर कब्जा बनाए रखा और यह इस बात का संकेत है कि 350सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की पकड़ अभी भी बेहद मजबूत है। इन आंकड़ों से साफ है कि कंपनी का 350सीसी पोर्टफोलियो भारतीय बाजार में लगातार भरोसे का प्रतीक बना हुआ है।

फरवरी में बढ़ेगी गर्मी, रबी फसलों पर मंडराया खतरा

- उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से अधिक, बारिश औसत से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने फरवरी महीने के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान में चेतावनी दी है कि इस साल देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है, जबकि बारिश औसत से कम होने की संभावना है। खासतौर पर उत्तर-पश्चिम भारत में कम बारिश और बढ़ते तापमान से रबी की खड़ी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई गई है। आईएमडी के अनुसार पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में फरवरी के दौरान अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की वृद्धि तेज हो सकती है। इससे गेहूं और जौ जैसी फसलें समय से पहले पक सकती हैं, जिसे जबरन पकाव कहा जाता है। इसका नतीजा बालियों का आंशिक रूप से बंजर होना और दानों का हल्का रहना हो सकता है, जिससे कुल पैदावार घटने की आशंका है। सरसों, चना, मसूर और मटर जैसी फसलों में सामान्य से अधिक तापमान जल्दी फूल आने और समय से पहले पकने का कारण बन सकता है। इससे फलियां पूरी तरह विकसित नहीं होंगी और बीज छोटे रह सकते हैं। साथ ही गर्म मौसम में एफिड्स और अन्य चूसने वाले कीटों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आलू, प्याज, लहसुन, टमाटर, फूलगोभी और बंदगोभी जैसी सब्जियों में अधिक तापमान कंद, फूल और फल विकास को प्रभावित कर सकता है।

फलों में आम, सिट्रस, केला और अंगूर में जल्दी फूल आने, असमान फल लगने और फल झड़ने की संभावना बढ़ सकती है। आईएमडी ने बताया कि उत्तर भारत में बोया गया 80 प्रतिशत से अधिक गेहूं गर्मी सहन करने वाली किस्मों का है और सिंचाई सुविधाएं भी बेहतर हुई हैं। इसके बावजूद किसानों को मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन और कृषि विभाग की सलाह पर अमल करने की जरूरत है।

बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ रचा नया इतिहास

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू ने लग्जरी इलेक्ट्रिक कार बाजार में अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक सेडान आई7 के साथ नया इतिहास रच दिया है। 2.05 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत वाली यह कार बीएमडब्ल्यू इंडिया की लाइन-अप में सबसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेडान मानी जाती है। बीएमडब्ल्यू आई7की भारत में बिक्री 1,000 यूनिट के आंकड़े को पार कर चुकी है, जो कि कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उन ग्राहकों के लिए डिज़ाइन की गई है, जो हाई-पर्फॉर्मेंस, अत्याधुनिक तकनीक और अल्ट्रा-लक्जरी फीचर्स वाली इलेक्ट्रिक कार की तलाश में हैं।

बीएमडब्ल्यू आई7 ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बरार के अनुसार, आई7 की बढ़ती बिक्री यह संदेश देती है कि भारत के प्रीमियम ग्राहक अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को पूरी तरह अपनाने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि बीएमडब्ल्यू आई7 सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है, जो डिज़ाइन, लग्जरी और एक्शन में अपनी श्रेणी की सबसे अलग पहचान बनाती है। डिजाइन की बात करें तो आई 7 एक फ्यूचरिस्टिक लुक वाली कार है, जिसमें इल्यूमिनेटेड किडनी ग्रिल, प्रीमियम ड्यूल-हेडलैंप सेटअप और दमदार रोड प्रेजेंस मिलता है। इंटीरियर में 31-इंच 8के थिएटर स्क्रीन, मसाज और वेंटिलेशन वाली रियर एक्जीक्यूटिव सीटें, कर्व्ड डिजिटल डिस्प्ले और लक्जरी फिनिश इसे एक चलते-फिरते 5-स्टार लाउंज जैसा अनुभव देती हैं। बीएमडब्ल्यू इंडिया के लिए आई 7 उसकी इलेक्ट्रिक रणनीति का केंद्र मानी जा रही है।

कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार तेज़ी से कर रही है। आई 7 की सफलता यह साबित करती है कि भारत में लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और ग्राहक अब नई तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी को अपनाने के लिए पहले से अधिक तैयार हैं। परफॉर्मेंस की बात करें तो बीएमडब्ल्यू आई7 कंपनी की 5वीं जेनरेशन ईड्राइव तकनीक से लैस है और 449 एचपी की पावर तथा 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करती है। यह कार मात्र 5.5 सेकंड में 0 से 100 किमी./घंटा की स्पीड पकड़ लेती है।

डिओ 125 स्कूटर का नया एक्स-एडिशन पेश

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय 125सीसी स्कूटर सेगमेंट में डिओ 125 का नया एक्स-एडिशन पेश किया है। इसमें इंजन या परफॉर्मेंस से जुड़ा कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके कॉस्मेटिक अपडेट इसे स्टैंडर्ड डिओ 125 से काफी अलग और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन को दो नए आकर्षक रंगों में उतारा गया है, जिनमें पियर्ल सिरेन ब्लू और पियर्ल डीप ग्राउंड ग्रे शामिल हैं। यह डुअल-टोन कलर स्कीम स्कूटर को फंकी और यूथफुल अपील देती है। बॉडी पर दिए गए नए ग्राफिक्स और रेड कलर के अलॉय व्हील्स इसके लुक में जबरदस्त कॉन्ट्रास्ट जोड़ते हैं। खासतौर पर लाल अलॉय व्हील्स इस स्कूटर को भीड़ से अलग पहचान दिलाते हैं और इसे एक स्पोर्टी कैरेक्टर देते हैं। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर डिओ 125 के एच-स्मार्ट वैरिएंट जैसा ही है। इसमें टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, कॉल और एसएमएस अलर्ट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। ये सभी सुविधाएं इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी प्रैक्टिकल बनाती हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 123.92सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8.19 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन स्मूद परफॉर्मेंस और अच्छी फ्यूल एफिशिएंसी के लिए जाना जाता है। होंडा डिओ 125 एक्स-एडिशन के आने वाले हफ्तों में भारतीय बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 93,000 से 93,500 रुपये के बीच हो सकती है। स्पोर्टी डिजाइन और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ यह स्कूटर युवाओं के लिए एक मजबूत विकल्प बनकर उभर सकता है। यह स्कूटर खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस का कॉम्बिनेशन चाहते हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1546 अंक टूटा

निफ्टी 495 अंक नीचे आया, निवेशकों के 9.55 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार बजट के कारण रविवार को खुला रहा पर इस विशेष कारोबारी सत्र में भारी गिरावट रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट 2026 भाषण शुरु होते ही बाजार गिरने लगा और अंत तक यही स्थिति रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1546.84 अंक की गिरावट के साथ ही 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) अंत में 495.20 अंक टूटकर गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनसार बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ाने की घोषणा से बाजार में गिरावट आई है क्योंकि इससे विदेशी निवेशकों में बिकवाली की आशंका बढ़ गयी। इससे बेंचमार्क इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इसके साथ ही मेटल स्टॉक्स में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कमोडिटी फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने की घोषणा की है। प्रस्ताव के तहत ऑप्शंस प्रीमियम पर एसटीटी को 0.1 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी कर दिया गया है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे ज्यादा गिरा। इसमें 5.61 फीसदी की गिरावट रही। वहीं अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, मारुति, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टीसीएस लगभग 2 फीसदी उछलकर बंद हुआ। इसके अलावा इंफोसिस, सन फार्मा और टाइटन के शेयरों में भी तेजी रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2.24 फीसदी नीचे आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.73 फीसदी गिरा। आज आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स में बिकवाली हावी रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 5.57 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी मेटल 4.05 फीसदी, ऑटो 2.09 फीसदी, बैंक 2 फीसदी, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.31 फीसदी, एफएमसीजी 2.29 फीसदी, रियल्टी 2.22 फीसदी नीचे आये।

वित्त मंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत के विजन की तरफ काम करते रहेंगे। हम ग्लोबल मार्केट के साथ लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि हम दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की तरफ बढ़ रहे हैं।

वहीं वैश्विक स्तर पर शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के पूर्व गवर्नर केविन वार्श को फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उत्तराधिकारी के रूप में नामित करना रहा।

एसएंडपी 500 में 0.43 फीसदी की गिरावट आई जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.36 फीसदी नीचे रहा।

वहीं एशियाई बाजार भी शुक्रवार को ज्यादातर नुकसान के साथ बंद हुए थे। ।

चीन का शंघाई कंपोजिट 0.96 फीसदी गिरा, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.65 फीसदी और जापान का निक्केई 225 में 0.09 फीसदी की मामूली गिरावट रही पर दक्षिा कोरिया का कोस्पी 0.06 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज केंद्रीय बजट को लेकर आयोजित विशेष कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई।

एक्सपोर्ट में क्रेटा-स्कार्पियो पीछे छोड़ा टोयोटा हायराइडर को

नई दिल्ली । एक्सपोर्ट के मामले में टोयोटा हाइराइडर ने सभी मॉडलों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। हाल ही में भारतीय बाजार के बाहर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी की सूची सामने आई है। बीते महीने दिसंबर 2025 में टोयोटा हायराइडर की 5,164 यूनिटें विदेश भेजी गईं, जो इसे इस सेगमेंट की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली एसयूवी बनाता है। खास बात यह है कि देश में लगातार टॉप पर रहने वाली नेक्सन, क्रेटा और स्कॉर्पियो जैसी एसयूवी भी एक्सपोर्ट में इसके सामने टिक नहीं पाईं। दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी जिम्नी रही जिसकी 4,592 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। वहीं ई-विटारा की 2,724 और फ्रोंक्स की 2,390 यूनिटें विदेशों में भेजी गईं। हालांकि फ्रोंक्स ने पिछली बार की तुलना में काफी गिरावट दर्ज की। महिंद्रा की एक्सयूवी 3एक्सह्न ने 999 यूनिट एक्सपोर्ट कर अपनी मौजूदगी मजबूत की। किया सोनेट की 966 और ग्रैंड विटारा की 849 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। रेनॉ काइगर ने भी इस बार अच्छा प्रदर्शन करते हुए 751 यूनिटें एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। क्रेटा की 511 और अल्कजार की 450 यूनिटें एक्सपोर्ट हुईं। मारुति ब्रेजा की केवल 53 और स्कॉर्पियो की 50 यूनिटें ही विदेशी बाजार में भेजी गईं, जबकि उनके घरेलू बाजार में यह आंकड़ा बहुत बड़ा रहता है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि टोयोटा हायराइडर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

बाजार में जोरदार गिरावट से निवेशकों को 16 लाख करोड़ का नुकसान

- बाजार का मार्केट कैप बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया

मुंबई । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट पेश किए जाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में रविवार, 1 फरवरी को इंट्राडे कारोबार के दौरान जोरदार गिरावट देखने को मिली। अचानक मार्केट क्रैश के कारण निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बजट में राजकोषीय अनुशासन के साथ आर्थिक विकास पर जोर दिया गया लेकिन सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी के प्रस्ताव से बाजार की धारणा कमजोर पड़ गई। बजट के दिन विशेष कारोबारी सत्र में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स एक समय 2,400 अंक तक टूट गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 79,899.42 अंक के दिन के निचले स्तर तक फिसल गया। सुबह सेंसेक्स 82,388.97 अंक पर खुला था और शुरुआती कारोबार में 82,726.65 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी भारी दबाव देखने को मिला। निफ्टी 50 इंडेक्स में कारोबार के दौरान करीब 749 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 24,571.75 अंक के निचले स्तर तक आ गया। बाजार में आई इस तेज गिरावट का मुख्य कारण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रहा। बजट में फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02 फीसदी से बढ़ाकर 0.05 फीसदी करने और ऑप्शंस ट्रांजैक्शन पर एसटीटी को 0.01 फीसदी से बढ़ाकर 0.15 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस घोषणा के बाद एफएंडओ से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली देखी गई। बाजार में आई गिरावट का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को बाजार का कुल मार्केट कैप 4,60,02,240.35 करोड़ रुपए था, जो बजट वाले दिन घटकर 4,44,34,637.85 करोड़ रुपए रह गया।

वित्तमंत्री सीतारमण ने MSME के लिए 10,000 करोड़ रु मुहैया कराने साथ 4 उपायों का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है। संसद में आज बजट 2026-27 में कहा कि सरकार तीन कर्तव्यों से प्रेरित है। इनमें से पहला कर्तव्य- आर्थिक विकास को गति देते हुए इसे निरंतर कायम रखना है तथा उत्पादकता व प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हुए अस्थिर वैश्विक स्थिति के इस दौर में मजबूती कायम रखना है।

सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विकास का मत्वपूर्ण इंजन करार देते हुए वित्त मंत्री ने इसके विकास के लिए तीन सूत्रीय दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा। इनमें पहला इक्विटि समर्थन है जिसमें उन्होंने लघु तथा मध्यम उद्यम के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए का एक समर्पित निधि का प्रस्ताव रखा है। इसके अंतर्गत चुनिंदा मानकों पर भविष्य में उत्कृष्ट उद्यमों का सृजन करना है। वित्त मंत्री ने वर्ष 2021 में स्थापित आत्मनिर्भर भारत कोष में बढ़ोतरी के लिए 2,000 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमों को मदद पहुंचाना और जोखिम पूंजी तक उनकी पहुंच बनाए रखना है। व्यवसायगत सहायता पर बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि खासकर टियर-2 और टियर-3 नगरों में 'कॉर्पोरेट मित्रों' के समूह का विकास के लिए के लिए अल्पावधि की मॉड्यूलर पाठ्यक्रमों और व्यवहारिक टूल्स की डिजाइन के लिए सरकार आईसीएआई, आईसीएसआई, आईसीएमएआई जैसे संस्थानों की मदद करेगी। ये यह प्रणाणित अर्ध-पेशेवर एमएसएमई को कम लागत पर अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की व्यवस्था की है। इसकी क्षमता का पूरा फायदा उठाने के लिए उन्होंने 4 उपायों का प्रस्ताव रखा है-

(i) एमएसएमई से सावर्जनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा समस्त खरीदों के लिए ट्रेड्स को लेन-देन निपटान प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग करने का अधिदेश करना,

(ii) ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर बीजक छूट के लिए सीजीटीएमएसई के जरिये ऋण गारंटी सहायता तंत्र की शुरुआत करना,

(iii) एमएसएमई से सरकारी खरीदों के बारे में फाइनेंसर्स तक जानकारी साझा करने के लिए जीईएम को टीआरईडीएस को जोड़ना,

(iv) ट्रेड्स प्राप्तियों को आस्ति-समर्थित प्रतिभूतियों के रूप में प्रस्तुत करना। इसका उद्देश्य नगदी एवं लेनदेनों के निपटान करते हुए एक दूसरा बाजार विकसित करना है।

जनवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 1.93 लाख करोड़, मजबूत बढ़ोतरी जारी

- जीएसटी कलेक्शन में 6.2 फीसदी की वार्षिक बढ़ोतरी

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में भारत का कुल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 1.93 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 6.2 फीसदी अधिक है। यह दिसंबर 2025 के 1.75 लाख करोड़ रुपये से भी ऊपर है। शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल जीएसटी रिफंड में 3.1 फीसदी की गिरावट हुई और यह 22,665 करोड़ रुपये पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, रिफंड में कमी के बावजूद कर संग्रह में स्थिरता आर्थिक गतिविधियों और मजबूत टैक्स कलेक्शन को दर्शाती है। जनवरी में तंबाकू उत्पादों से उपकर 5,768 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष जनवरी के 13,009 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है, क्योंकि सरकार ने सितंबर 2025 से विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उपकर घटा दिया और केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर क्षतिपूर्ति उपकर लागू किया। घरेलू लेनदेन से जीएसटी संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि आयात से राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद टैक्स कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। दिसंबर 2025 में कुल जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें नेट जीएसटी 1.45 लाख करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी 1.22 लाख करोड़ और आयात जीएसटी 51,977 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इस अवधि में रिफंड 28,980 करोड़ रुपये तक पहुंचा। विश्लेषक मानते हैं कि जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में तेजी से आर्थिक मजबूती और कर प्रशासन की दक्षता दर्शाती है।

ईरान और अमेरिका के बीच जंग हुई तो खतरे में पड़ जाएगी दुनिया की अर्थव्यवस्था

तेहरान।

मिडिल ईस्ट इस समय एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती तल्खी ने युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। दोनों देशों के बीच जुबानी जंग अब सैन्य शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो चुकी है। ईरान ने स्पष्ट लहजे में कहा है कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर उसकी पकड़ मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिका ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में किसी भी असुरक्षित या उकसावे वाली कार्रवाई को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। इस बढ़ते टकराव के बीच अरब देशों, अरब लीग और कई वैश्विक शक्तियों ने चिंता जताई है कि यदि हालात बिगड़े, तो इसका खामियाजा सिर्फ मिडिल ईस्ट को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

वजह ये है कि अर्थव्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। ईरान और अमेरिका के रिश्तों में यह कड़वाहट नई नहीं है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां पहले के मुकाबले अधिक विस्फोटक नजर आ रही हैं। ईरान के भीतर बढ़ता आर्थिक संकट, बेरोजगारी और मुद्रा के गिरते मूल्य ने वहां की आंतरिक स्थिति को अस्थिर कर दिया है, जिससे उपजे सरकार विरोधी प्रदर्शनों और उन पर हुई सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने मानवाधिकारों का मुद्दा गरमा दिया है। अमेरिका ने इन घटनाओं के आधार पर ईरान पर नए कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल से शुरू हुआ ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विवाद एक बार फिर केंद्र में है। अमेरिका का रुख सख्त है कि यदि ईरान वार्ता की मेज पर नहीं आता, तो उसके खिलाफ सैन्य विकल्प का उपयोग किया जा सकता है। तनाव का मुख्य केंद्र इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मूज बना हुआ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा और भारी मात्रा में गैस इसी संकरे रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े तेल निर्यातक इसी रूट पर निर्भर हैं। वर्तमान में ईरान की नौसेना यहां अपना वार्षिक युद्धाभ्यास कर रही है, जो दुनिया को उसकी सैन्य शक्ति दिखाने का एक तरीका है।

तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी के दाम 49 रुपए बढ़ाए

- दिल्ली में 19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,740.50 रुपए पहुंची

नई दिल्ली । तेल कंपनियों ने रविवार को 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 49 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1,740.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस फैसले से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और कैटरिंग कारोबार से जुड़े लोगों पर सीधा असर पड़ा है। गैस महंगी होने से खाना बनाने की लागत बढ़ गई है, जिससे कारोबारियों की परेशानियां फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी तेल कंपनियां कमर्शियल गैस की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। पिछली बार 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 111 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत 1,580.50 रुपये से बढ़कर 1,691.50 रुपये हो गई थी। हालांकि बीते कुछ महीनों में कमर्शियल गैस के दाम अपेक्षाकृत नरम रहे थे। अप्रैल 2025 से अब तक छह बार कीमतों में कटौती की गई थी और कुल मिलाकर 223 रुपये तक की राहत मिली थी। लेकिन अब लगातार बढ़ोतरी से एक बार फिर कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।

हुंदै मोटर इंडिया की जनवरी में बिक्री 11.5 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी 2025 में कुल 73,137 इकाई की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल जनवरी में 65,603 इकाई थी। कंपनी के अनुसार यह कुल बिक्री में 11.5 प्रतिशत की मजबूत सालाना वृद्धि दर्शाती है। घरेलू थोक बिक्री जनवरी 2025 में 59,107 इकाई रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 54,003 इकाई थी। यह हुंदै के घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। निर्यात बिक्री भी मजबूत रही। जनवरी 2025 में 14,030 इकाई निर्यात की गईं, जबकि जनवरी 2024 में यह संख्या 11,600 इकाई थी, यानी लगभग 21 फीसदी वृद्धि। हुंदै मोटर इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ये आंकड़े सिर्फ ब्रांड नेतृत्व नहीं बल्कि कर्मचारियों, भागीदारों और ग्राहकों की सामूहिक सफलता को भी दर्शाते हैं। कुल मिलाकर हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें घरेलू बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ा और निर्यात में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज हुई।

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा, 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज

साल 2022 में फिल्म 'वध' रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। 'वध 2' को लेकर दर्शक काफी समय से इंतजार रहे थे। मंगलवार को 'वध 2' का ट्रेलर सामने आया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

'वध 2' के ट्रेलर में नजर आई नई मिस्ट्री?

फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के डायेक्टर, राइटर जसपाल सिंह संधू हैं। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के अलावा कुमुद मिश्रा, अमित के. सिंह, अक्षय डोगरा, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। फिल्म फेस्टिवल में सराही गई 'वध 2' थिएटर में रिलीज होने से पहले फिल्म फेस्टिवल्स में वध 2 सराही गई थी। इस फिल्म को रिलीज से पहले 56वें आईएफएफआई 2025 में काफी तारीफ मिली थी। गाला प्रीमियर सेक्शन में इसकी स्क्रीनिंग हाउसफुल रही थी।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है।

श्रिया सरन ने खास बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग, सोशल मीडिया ने बदली जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

रियलिटी शोज में रोमांस अब फेक और स्ट्रैटेजी बन चुका है

रियलिटी शो के स्टार प्रिंस नरूला का मानना है कि आजकल रियलिटी शो में रोमांस ज्यादातर नकली हो गया है। उनका कहना है कि कई कंटेस्टेंट गेम में आगे बढ़ने और लाइमलाइट में आने के लिए रिश्तों को स्ट्रैटेजी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। प्रिंस जल्द ही पत्नी युविका चौधरी के साथ अपकमिंग रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगे। उन्होंने बताया, अब रियलिटी शो में रोमांस नकली हो गया है। लोग शो में रिश्ते बनाते हैं, लेकिन बाहर आने के बाद अलग हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यह शो में सर्वाइव करने का आसान तरीका है। प्रिंस ने बताया कि जब उन्होंने बिग बॉस 9 में हिस्सा लिया था, तब भी ऐसी चीजें होती थीं। लेकिन उनका मानना है कि अगर कोई सच में प्यार ढूंढ रहा है, तो रियलिटी शो में भी सच्चा रिश्ता बन सकता है। उन्होंने कहा, मुझे भी अपना प्यार एक रियलिटी शो में ही मिला और पत्नी के साथ द 50 में एंट्री को लेकर मैं उत्साहित हूं। पत्नी के साथ होने से मुझे एक्स्ट्रा ताकत मिलेगी, जब भी युविका मेरे साथ होती है तो मुझे टेंशन नहीं होती और शो में भी मैं टेंशन के बिना रह सकूंगा।

जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी वेलकम टू द जंगल

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है। कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मैं खुद एक बेटी की मां हूं, डर तो लगा ही रहता है

एक लड़की जिसे अव्वल तो एक्ट्रेस बनना नहीं था, पर किस्मत ने फिल्म के सेट पर पहुंचा दिया। फिर सितारों की इस दुनिया में वह ऐसी चमकी कि बॉलीवुड की रानी बन गई। हम बात कर रहे हैं, नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं रानी मुखर्जी की। इस साल इंडस्ट्री में 30 साल का शानदार सफर पूरा करने वाली रानी अपनी फिल्म मर्दानी 3 के लिए चर्चा में हैं। वह पर्दे पर एक बार फिर टॉप कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापसी कर रही हैं। इस बार वह उन लड़कियों को बचाने के लिए वापस आ गई हैं, जो बिना किसी सुराग के अचानक गायब हो जाती हैं। रानी ने बातचीत में फिल्म, निजी जीवन, करियर और बेटी आदिरा की परवरिश को लेकर बात की।

आपने सिनेमा जगत में 30 साल का सफर तय कर लिया है। ढेरों फिल्में, अवॉर्ड्स, कैसे देखती हैं आप अपने इस सफर को?

पैरंट्स नहीं, सिर्फ डैडी नहीं चाहते थे कि मैं एक्टर बनूं। मम्मी बहुत एक्साइटेड थीं। मम्मी की वजह से ही तो मैं आई हूं पर आप सही हैं, मैं वो लड़की थी जिसे एक्ट्रेस नहीं बनना था। मैं बाय चांस एक्ट्रेस बन गई, लेकिन इंडस्ट्री में आने के बाद इस काम, इस कला से मुझे प्यार हो गया तो मुझे लगता है कि शायद मैं एक्ट्रेस बनने के लिए ही पैदा हुई थी, क्योंकि इन तीस साल में मुझे दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिला, वह बहुत खास है। इसमें ऊपरवाले का बहुत बड़ा हाथ है कि वह मुझे यहां तक खींचकर लाए।

बीते साल आपको मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में बेहतरीन अदाकारी के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। आपको लगता है कि अगर आप मां नहीं होती तो वो इमोशन निभा पाती? खुद मां होने का कितना श्रेय है उसमें?

मां का किरदार मैंने पहले भी निभाया है। तारा रम पम में किया था। कुछ कुछ होता है में भी मेरा मां का किरदार था तो मुझे लगता है कि जब आप एक औरत के रूप में जन्म लेते हैं, तभी आपके अंदर एक मां का भी जन्म हो जाता है, तो मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे पहले भी आती तो शायद मेरा वही भाव होता, क्योंकि मेरी भतीजी भी है, उसे भी मैं अपने बच्चे की तरह ही प्यार करती हूं। मुझे नहीं लगता है कि एक औरत के भीतर बच्चा होने के बाद ही वो मदरली फीलिंग आती है। आप किसी बड़ी बहन से बात करें तो वो अपनी छोटी बहन या भाई के लिए यही कहती है, यह मेरे बच्चे जैसा है। एक औरत होना अपने में ही महान चीज है। ममता का भाव हममें जन्म से ही होता है। इसलिए हम, गुड्डे-गुड़ियों का खेल खेलते हैं, घर बनाते हैं तो वह एक फीलिंग हममें हमेशा से ही होती है।

एक औरत होने की सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी आप क्या मानती हैं?

हमारी ताकत ही हमारी कमजोरी है। हमारा जो प्यार है, हम जिस तरह से प्यार करते हैं कि प्यार में सब कुछ दे देते हैं। सबको खुद से आगे रखते हैं। यह हमारी ताकत भी है और कमजोरी भी। मैं भी ऐसी ही हूं, क्योंकि मैंने अपनी मां को ऐसा करते देखा है, लेकिन मेरा मानना है कि हर इंसान को खुद को आगे रखना चाहिए, क्योंकि अगर खुद पर ध्यान नहीं देंगे तो दूसरे को कहां वो प्यार दे पाएंगे, तो ऐसा करना जरूरी है।

करियर के शुरुआत में आपकी आवाज को लेकर आलोचना हुई, उन चीजों से कैसे डील किया?

असल में, चाइनीज कैलेंडर में मेरी राशि घोड़ा है तो मैं वैसी ही हूं। मैं ब्लिंकर्स पहनती हूं और सामने देखती हूं। इधर-उधर देखती ही नहीं हूं। कौन क्या कह रहा है, सोच रहा है, उसमें वक्त बर्बाद नहीं करती हूं। मुझे जो करना है, करती हूं और यही सोच मेरे काम आई।

आप एक्स, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया से दूर हैं। ये चीजें आपको नहीं लुभाती?

नहीं। मेरे इतने सारे रिश्ते हैं। मैं एक बेटी हूं, बीवी हूं, मां हूं, दोस्त हूं, एक्टर हूं तो मुझे कितनी भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उस पर एक सोशल मीडिया की जिम्मेदारी मैं क्यों अपने ऊपर लादूं? वो भी तो एक जिम्मेदारी बन जाएगी तो कम से कम उससे तो बचूं। (हंसती हैं)

मर्दानी 2 में कहानी एक रेप केस की थी, अब मर्दानी 3 में आप गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी गंभीर सामाजिक खतरे से डील कर रही हैं। ये फिल्में करते वक्त आप पर क्या असर पड़ता है? ये मुद्दे परेशान करते हैं?

परेशान तो करते ही हैं ना, क्योंकि समाज में ये चीजें हो रही हैं। बहुत बार हम सोचते हैं कि यार, हमें ऐसी डिस्टर्बिंग चीज से बचना चाहिए, क्योंकि हम इससे असहज हो जाते हैं, लेकिन ऐसी चीजों में असहज होना जरूरी है। डिस्टर्बिंग चीज देखनी है क्योंकि उसी से जागरूकता आएगी। मैं ये कहानियां इसीलिए लेकर आती हूं कि लोगों को बताऊं कि ये सब हो रहा है। हमारे नुक्कड़, पड़ोस में हो रहा है, तो जागो। हम सिर्फ अपने आरामदायक कमरों में नहीं रह सकते। इस दौर में हमें हर चीज का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in